भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

शुभ धनतेरस

● वर्ष-12 अंक-304 ● भोपाल ● शुक्रवार, 6 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 12 ● विक्रम संवत् 2083

बेंगलुरू में खौफनाक सामूहिक हत्याकांड

कैब ड्राइवर ने पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों को सिलबट्टे से मार डाला

दो दिन में एक-एक कर सात हत्याओं को दिया अंजाम, शव अलग-अलग जगह ठिकाने लगाने का आरोप



बेंगलूरू, एजेंसी। *कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू में दिल दहला देने वाला सामूहिक हत्याकांड सामने आया है। यहां 45 वर्षीय कैब ड्राइवर शेखर उर्फ इंदुशेखर पर अपनी पत्नी, सास समेत परिवार के सात लोगों की बेरहमी से हत्या करने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने कथित तौर पर वैवाहिक विवाद और पत्नी के मायके पक्ष की दखलंदाजी से नाराज होकर इस खौफनाक वारदात की साजिश रची। आरोप है कि उसने दो दिनों के भीतर राजाजीनगर स्थित अपने घर में एक-एक कर सात लोगों को बुलाया और सिलबट्टे के पत्थर से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद कुछ शवों को अलग-अलग स्थानों पर ठिकाने लगाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है।*

पुलिस के मुताबिक, इस सामूहिक हत्याकांड में आरोपी की पत्नी सुनीता, सास रूपावती, साले शिवकुमार और शंकर, परिवार की बहुएं दिव्या और नलिनी तथा सात वर्षीय पुनीत की मौत हुई है। एक मासूम बच्चे की भी हत्या किए जाने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है। पुनीत का शव चिक्कबल्लापुर जिले में नंदी हिल्स के पास बरामद किया गया। पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने वारदात के बाद सबूत मिटाने और शवों को ठिकाने लगाने की कोशिश की। जांच में सामने आया है कि शेखर और सुनीता की शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच वैवाहिक संबंधों को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच जब भी झगड़ा होता था, सुनीता के परिवार के लोग हस्तक्षेप करते थे और उसका पक्ष लेते थे। पुलिस को संदेह है कि शेखर इसी बात को लेकर नाराज था और उसे लगता था कि पत्नी के मायके वाले उसकी पारिवारिक जिंदगी में दखल दे रहे हैं। इसी रंजिश में उसने कथित तौर पर पत्नी और उसके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया। हालांकि, हत्याओं के पीछे की वास्तविक वजह और साजिश की पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने अपने सालों शिवकुमार और शंकर को पार्टी देने के बहाने घर बुलाया था। आरोप है कि घर पहुंचने के बाद उसने दोनों की हत्या कर दी। इसी तरह सास रूपावती और परिवार की अन्य महिलाओं को भी अलग-अलग समय पर निशाना बनाया गया। जांचकर्ताओं को संदेह है कि आरोपी ने सबसे पहले अपनी पत्नी सुनीता की हत्या की और इसके बाद परिवार के अन्य सदस्यों की जान ली। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सातों हत्याएं किस क्रम में और कितने समय के अंतराल में की गईं। इस खौफनाक वारदात का खुलासा परिवार की सदस्य नलिनी के लापता होने की शिकायत के बाद हुआ। काफी समय तक नलिनी का कोई पता नहीं चलने पर उसकी मां ने श्रीरामपुरा पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो शेखर पर संदेह गहराने लगा। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान पुलिस को कथित तौर पर परिवार के कई सदस्यों की हत्या में उसकी भूमिका के सुराग मिले। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच का दायरा बढ़ाया और सात लोगों की हत्या का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस शवों की बरामदगी, घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और आरोपी के बयानों का मिलान कर रही है।

कुदरत का कहर, मौसम की मार

ओडिशा में भूस्खलन से 7 की मौत, 6 लापता यूपी के 20 शहरों में घना कोहरा, 5 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। यशभारत। *देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। कहीं चक्रवात के बाद भूस्खलन से जनजीवन प्रभावित है, तो कहीं कोहरे और गिरते तापमान ने सर्दी का अहसास बढ़ा दिया है। ओडिशा के गंजाम जिले में चक्रवात अर्नब के बाद हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है, जबकि छह लोग अब भी लापता हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के 20 शहरों में शुक्रवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के कारण रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द कर दिया गया है। दूसरी ओर तमिलनाडु के 10 जिलों में मौसम विभाग ने बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की है।*



ओडिशा के गंजाम जिले के पहाड़ी गांव में गुरुवार को भूस्खलन के बाद राहत एवं बचाव अभियान के दौरान पांच और शव बरामद किए गए। इससे पहले दो लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी थी। हादसे में अब तक सात लोगों की जान जा चुकी है, जबकि छह लोग लापता बताए जा रहे हैं। ये सभी लोग 28 अक्टूबर को आए चक्रवात अर्नब के बाद पहाड़ी क्षेत्र में हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। लगातार मलबा हटाने और लापता लोगों की तलाश का काम जारी है। उत्तर प्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही ठंड का असर बढ़ने लगा है। शुक्रवार सुबह राजधानी लखनऊ के अलावा बाराबंकी, महराजगंज, श्रावस्ती, संभल समेत करीब 20 शहरों में कोहरे की चादर छाई रही। श्रावस्ती में दृश्यता घटकर 10 मीटर से भी कम रह गई, जबकि कई अन्य इलाकों में भी वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे के चलते रेल परिचालन पर भी असर पड़ा है। मिर्जापुर में पांच ट्रेनों को अगले तीन महीने के लिए रद्द करने का फैसला लिया गया है। राज्य के 20 जिलों में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। हरदोई में रात सबसे ठंडी रही। तमिलनाडु में इसके उलट बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने कांचीपुरम, तिरुवन्नामलाई समेत 10 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक 6 नवंबर की रात एक बजे तक इन जिलों के कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। तिरुवरूर में लगातार दूसरे दिन तेज बारिश हुई। कई इलाकों में सड़कों पर करीब एक फीट तक पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ। मध्य प्रदेश में भी रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में न्यूनतम तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया है। कई स्थानों पर पारा 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। भोपाल और इंदौर में रात की ठंड बढ़ने लगी है। मौसम केंद्र के अनुसार शुक्रवार से तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

झारखंड में बेकाबू ट्रेलर का तांडव

9 लोगों को रौंदा, 7 की मौत



खूंटी, एजेंसी। *झारखंड के खूंटी जिले के कर्रा में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सड़क किनारे खड़े लोगों को तेज रफ्तार ट्रेलर ने कुचल दिया। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों में तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई। मृतकों में दो परिवारों के सदस्य शामिल हैं। एक परिवार के चार लोगों की जान चली गई, जबकि दूसरे परिवार के तीन सदस्यों की मौत हुई है। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।*

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कर्रा की कोशांबी कॉलोनी के पास एक स्कूटी सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा घुसा था। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। कुछ लोग झाड़ियों में फंसे युवक को निकालने का प्रयास कर रहे थे, जबकि महिलाएं और बच्चे सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गए। हादसे में बिरसा नायक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी कसीला देवी उर्फ जवंती, बेटी अंजली कुमारी और एक साल के नाती की मौत हो गई। बिरसा की दूसरी बेटी खुशबू गंभीर रूप से घायल है, जिसका सदर अस्पताल खूंटी में इलाज चल रहा है। वहीं, दूसरे परिवार के राजेश की मां कर्मी लोहराइन, पत्नी फगन संगा और बेटियां सुभानी व सोनी कुमारी की भी हादसे में जान चली गई। राजेश तीन दिन पहले ही मजदूरी के लिए गुजरात गए थे। उन्हें हादसे की सूचना दे दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार ट्रेलर चालक और खलासी की तलाश की जा रही है।

उमर सरकार पर संकट के बादल, 25 विधायकों ने दिया इस्तीफे का अल्टीमेटम

मांगें पूरी नहीं हुईं तो आज इस्तीफा दे सकते हैं बागी विधायक

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सरकार पर संकट गहराता जा रहा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 नाराज विधायकों ने अपनी मांगें पूरी करने के लिए पार्टी नेतृत्व को अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनी तो वे सामूहिक रूप से इस्तीफा दे सकते हैं। इस घटनाक्रम से उमर सरकार के सामने बहुमत बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। शुक्रवार को श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की नाराज विधायकों के साथ अहम बैठक प्रस्तावित है। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में समाधान नहीं निकलने की स्थिति में विधायक शुक्रवार को ही इस्तीफे का कदम उठा सकते हैं। नाराज विधायकों की प्रमुख मांगों में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगमी को हटाना, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से सड़क निर्माण विभाग वापस लेना अथवा उन्हें पद से हटाना और सरकार से जुड़े लोगों पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराना शामिल है।



विधायकों का कहना है कि सरकार और संगठन में उनकी मांगों तथा शिकायतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। इन मांगों को लेकर विधायकों ने 30 अक्टूबर से 5 नवंबर के बीच पांच गोपनीय बैठकें भी कीं। इन बैठकों में आगे की रणनीति और पार्टी नेतृत्व से बातचीत के विकल्पों पर विचार किया गया। इस बीच पार्टी को एक और बड़ा झटका श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह मेहंदी के इस्तीफे से लगा है। उन्होंने मंगलवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ने की घोषणा की थी। अपने फैसले को आजादी का निर्णय बताते हुए उन्होंने कहा था कि वे एक शहीद की विरासत और पाक खून की नस्ल का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा अब नेशनल कॉन्फ्रेंस का हिस्सा नहीं हैं। गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके बाद उनकी सांसद सदस्यता भी समाप्त हो गई।

कैबिनेट विस्तार के बाद बढ़ी नाराजगी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर असंतोष की एक बड़ी वजह 27 अक्टूबर को हुआ कैबिनेट विस्तार भी माना जा रहा है। इस दौरान पार्टी के चार विधायकों अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्लाह, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कल्लू को मंत्री बनाया गया था। वहीं निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया। विस्तार में कई वरिष्ठ विधायकों को जगह नहीं मिली, जिनमें नजीर अहमद गुरेजी और मुबारक गुल के नाम प्रमुख हैं। हालांकि बाद में मुबारक गुल को अली मोहम्मद सागर की जगह पार्टी का महासचिव नियुक्त किया गया। इसके बावजूद पार्टी के भीतर असंतोष पूरी तरह शांत नहीं हुआ।

चीन में लद्दाख सीमा के पास 5 तीव्रता का भूकंप, जम्मू-कश्मीर तक महसूस हुए झटके

नई दिल्ली,ईएमएस। चीन से लगी लद्दाख सीमा के पास गुरुवार रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.0 दर्ज की गई। रात 10 बजकर 26 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र चीन के शिनजियांग क्षेत्र में था, जो लेह-लद्दाख से करीब 167 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर तक महसूस किए गए। हालांकि, फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना सामने नहीं आई है।

पटना में 3 शूटर ढेर 20 मिनट चली मुठभेड़:पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग



पटना, एजेंसी। पटना में शुक्रवार को पुलिस ने 3 अपराधियों का एनकाउंटर कर दिया। पटना स्स्काकार्तिकेय शर्मा ने बताया, सुबह करीब 4.30 बजे हुई मुठभेड़ में अपराधियों ने पुलिस पर 24 राउंड फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में राजा शर्मा, बबलू कुमार, जेपी यादव घायल हो गए। अस्पताल पहुंचने से पहले तीनों की मौत हो गई।पुलिस के मुताबिक, तीनों पेशेवर शूटर थे और सुपारी लेकर मर्डर करते थे।करीब 20 मिनट तक दोनों ओर से गोलीबारी हुई। जवाब में पुलिस की ओर से 18 राउंड गोलियां चलाई गईं। मुठभेड़ में मनेर थाना के स।ह रजनीश कुमार भी जख्मी हुए हैं। उनके हाथ में गोली लगी है। घटना मनेर थाना क्षेत्र के शेरपुर गंगा घाट के पास की है। मौके से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टा बरामद हुआ है।मारे गए आरोपियों के परिजन अस्पताल में हंगामा कर रहे हैं। पुलिस के साथ हाथापाई हुई है। पथराव किया गया है, गाड़ियों के शीशे फोड़े गए हैं। परिजन एनकाउंटर को गलत बता रहे हैं। माहौल तनावपूर्ण है। पुलिस-प्रशासन जवाब दो के नारे लगाए जा रहे हैं।

अब घंटों का सफर होगा आसान, एमपी में बिछेगा 1,398 कि.मी. का एक्सप्रेस-वे जाल



5 नए कॉरिडोर से इन 10 शहरों को मिलेगा फायदा

भोपाल, यशभारत। मध्यप्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार 63,296 करोड़ रुपये की लागत से 1,398 किलोमीटर लंबे पांच नए ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित करने जा रही है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश के प्रमुख शहरों के बीच आवागमन तेज और सुगम होगा। भोपाल से मंदसौर, भोपाल से ग्वालियर, सागर से सतना, जबलपुर से आशापुर और कटनी से सिंगरौली तक बनने वाले ये कॉरिडोर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों को आधुनिक सड़क नेटवर्क से जोड़ेंगे। इससे न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि औद्योगिक गतिविधियों, व्यापार, कृषि उत्पादों के परिवहन और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सड़क परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और प्रस्तावित कॉरिडोर की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं और सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक गांव, कस्बे और शहर को बारहमासी सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है।

चार लेन के होंगे सभी पांच कॉरिडोर

बैठक में इन पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर की तैयारियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावित सभी मार्ग चार लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड कॉरिडोर होंगे। इनमें पेव्ड शोल्डर की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे तेज रफ्तार यातायात के साथ सड़क सुरक्षा और वाहनों की आवाजाही को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। परियोजनाओं में भोपाल-मंदसौर कॉरिडोर की लंबाई 258 किलोमीटर, सागर-सतना की 227 किलोमीटर, जबलपुर-आशापुर की 358 किलोमीटर, भोपाल-ग्वालियर की 320 किलोमीटर और कटनी-सिंगरौली कॉरिडोर की लंबाई 235 किलोमीटर प्रस्तावित है। इस तरह कुल 1,398 किलोमीटर का नया सड़क नेटवर्क तैयार होगा।

धनतेरस पर सोने की चमक फीकी

22 फीसदी टूटे दाम चांदी में भी 56 प्रतिशत की गिरावट



नई दिल्ली,यशभारत। धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीदारी को लेकर सर्राफा बाजार में खास उत्साह रहता है। भारतीय परिवारों में इस दिन कीमती धातुओं की खरीदारी को समृद्धि और मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। हालांकि धनतेरस 2026 पर बाजार की तस्वीर कुछ अलग है। पिछले कुछ वर्षों में रिकॉर्ड तेजी दर्ज कराने वाले सोने और चांदी की कीमतों में इस साल बड़ी गिरावट देखने को मिली है। जनवरी 2026 में 1.80 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई स्तर पर पहुंचने के बाद सोना 22 प्रतिशत से अधिक टूट चुका है। इसी तरह चांदी भी अपने जनवरी के उच्चतम स्तर से 56 प्रतिशत से ज्यादा नीचे आ गई है। कीमतों में आई इस गिरावट ने उन खरीदारों और निवेशकों को राहत दी है, जो ऊंचे दामों के कारण अब तक खरीदारी से दूरी बनाए हुए थे।धनतेरस 2021 से धनतेरस 2026 के बीच सोने की कीमतों में करीब 192 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस तेज उछाल के बाद आई गिरावट ने बाजार में निवेश की रणनीति को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब सवाल यह है कि मौजूदा कीमतों पर सोना खरीदना कितना फायदेमंद है और निवेश के लिए आभूषण, गोल्ड ईटीएफ या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) में से कौन-सा विकल्प बेहतर साबित हो सकता है।धनतेरस के कारोबारी दिन सुबह बाजार खुलने के साथ ही कीमती धातुओं में नरमी का रुख रहा। घरेलू बाजार में सोने का भाव 1,820 रुपये यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,640 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। वहीं चांदी की कीमत में 2,680 रुपये यानी 1.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और इसका भाव 1,84,860 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया।

भारत ने किया प्रलय क्रूज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, इसकी खूबी दुश्मन को करेगी परेशान



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने गुरुवार को ओडिशा के तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय नामक क्रूज़-बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि गुरुवार को सुबह लगभग 11.10 बजे इस बैलिस्टिक मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज द्वारा तैनात विभिन्न उपकरणों से मिले डेटा से पुष्टि हुई है कि परीक्षण के सभी लक्ष्य पूरे कर लिए गए हैं। इस मिसाइल को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) और DRDO ने स्वदेशी तकनीक से विकसित किया है। इसके विकास और उत्पादन में साझेदार रही भारत डायनामिक्स लिमिटेड ने इस सिस्टम का निर्माण किया है। यह उड़ान परीक्षण प्यूज़र इवैल्यूएशन ट्रायलज़ (उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षण) के हिस्से के रूप में किया गया, जिसमें DRDO के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और रक्षा बलों के सदस्य मौजूद थे। इस सफल परीक्षण के बाद अब इस सिस्टम को सेना में शामिल किए जाने का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए DRDO और सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों से लैस यह मिसाइल, उभरते खतरों के खिलाफ सेना की तकनीकी क्षमताओं और परिचालन तैयारियों को और मजबूत करेगी।

तीन पड़ोसी देशों के छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लिए भारत में अब वीजा अनिवार्य, पहले मिली थी छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए छह गैर-मुस्लिम समुदायों के लोगों के लिए वीजा संबंधी नियमों में बदलाव किया है। अब इन देशों से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को भारत में रहने के लिए उचित श्रेणी का वीजा लेना अनिवार्य होगा। पहले इन्हें पासपोर्ट और वीजा की शर्तों से छूट दी गई थी।केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह बदलाव उन लोगों पर लागू होगा, जो धार्मिक उत्पीड़न या उसके डर से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए थे। इनमें वे लोग भी शामिल हैं, जिनके पास भारत आने के समय वैध यात्रा दस्तावेज नहीं थे या जिनके दस्तावेज बाद में समाप्त हो गए। सितंबर 2025 में जारी आदेश के तहत इन छह समुदायों को पासपोर्ट और वीजा संबंधी शर्तों से राहत दी गई थी। नए आदेश के बाद भारत में उनके प्रवास के लिए निर्धारित श्रेणी का वीजा जरूरी होगा।



सीएए के अनुरूप किए गए नियम

गृह मंत्रालय ने नए बदलावों के जरिए आव्रजन नियमों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए), 2019 के प्रावधानों के अनुरूप बनाने के साथ भारत, नेपाल और भूटान के बीच आवाजाही के नियमों को भी सख्त किया है। अब भारत से नेपाल या भूटान जाने वाले और वहां से भारत आने वाले नागरिकों को सरकार के निर्धारित वीजा मैनुअल के अनुसार मान्य पहचान दस्तावेज दिखाने होंगे।नए प्रावधानों के तहत यदि कोई भारतीय नागरिक नेपाल या भूटान के रास्ते किसी तीसरे देश की यात्रा करता है, तो उसके पास वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य होगा। उसे निर्धारित आव्रजन चेकपॉइंट से ही आवागमन करना होगा। इसी तरह नेपाल और भूटान के नागरिकों को भी यदि वे भारत, नेपाल और भूटान के अलावा किसी अन्य देश की यात्रा कर रहे हैं अथवा चीन, पाकिस्तान, हांगकांग या मकाऊ के रास्ते भारत आ रहे हैं, तो वैध पासपोर्ट और वीजा प्रस्तुत करना होगा।

मेडिकल डिवाइस से गंभीर नुकसान के मामले तीन गुना बढ़े, 2025 में 2,176 घटनाएं दर्ज

नई दिल्ली, यशभारत। *देश में मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल से मरीजों को होने वाले गंभीर नुकसान के मामलों में पिछले छह वर्षों में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2020 में ऐसे 808 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर 2,176 हो गए। वर्ष 2020 से अब तक कुल 9,373 गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। इन आंकड़ों का पहली बार सूचना का अधिकार (आरटीआई) के जरिए खुलासा हुआ है।*



एक अंग्रेजी दैनिक की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश के बाद इंडियन फार्माकोपिया कमीशन (आईपीसी) ने यह जानकारी उपलब्ध कराई। केंद्रीय सूचना आयुक्त जया वर्मा सिन्हा ने 10 सितंबर को आदेश जारी कर गंभीर घटनाओं का ब्योरा देने के निर्देश दिए थे। गंभीर घटनाओं में मरीज की जान को खतरा, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने या स्थायी शारीरिक नुकसान जैसी स्थितियां शामिल हैं। आईपीसी देशभर के 775 निगरानी केंद्रों से मेडिकल डिवाइस के इस्तेमाल के बाद होने वाली प्रतिकूल घटनाओं की जानकारी जुटाता है। इसके बावजूद शिकायतों और नियामकीय कार्रवाई के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। वित्त वर्ष 2024-25 में 14,584 घटनाएं दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से केवल 22 मामले आगे की कार्रवाई के लिए सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन को भेजे गए।

नियमितीकरण और वेतन वृद्धि को लेकर नगर निगम कर्मचारी आर-पार के मूड में

दिवाली से पहले हड़ताल से शहर की व्यवस्थाएं चरमराने की आशंका





भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल में दीपावली और धनतेरस के ठीक पहले नगर निगम कर्मचारियों का आक्रोश फूट पड़ा है। नियमितीकरण, वेतन विसंगतियों और अन्य लंबित मांगों को लेकर बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों और जलकार्य शाखा के कर्मियों ने नगर निगम मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने मुख्यालय में तालाबंदी कर कामकाज पूरी तरह ठप कर दिया, जिससे जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, फायर ब्रिगेड और सीवेज जैसी जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। आंदोलनकारी कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और उग्र करते हुए पानी की सप्लाई भी ठप कर देंगे। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं, जिससे उनमें भारी नाराजगी है।

सफाई व्यवस्था पर असर, बाजारों और मोहल्लों में लगे कचरे के ढेर

कर्मचारियों की इस अचानक हड़ताल का सबसे पहला असर शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। घरों से कचरे का उठाव पूरी तरह बंद होने के कारण प्रमुख बाजारों, सड़कों और गली-मोहल्लों में कचरे के बड़े-बड़े ढेर जमा हो गए हैं। त्योहारी सीजन के इस समय में बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भारी भीड़ के बीच गंदगी और कचरे के अंबार से स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों दोनों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी ओर, जिला प्रशासन और निगम के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। त्योहारी सीजन में आम जनता को पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित न होना पड़े, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर विचार किया जा रहा है। फिलहाल कर्मचारियों और प्रशासन के बीच बातचीत के दौर जारी हैं, और सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या त्योहार से पहले कोई बीच का रास्ता निकल पाता है या संकट और गहराएगा।

बीएचईएल में विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का समापन

भोपाल यश भारत। बीएचईएल भोपाल में 2 से 31 अक्टूबर तक आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान 6.0 का समापन हुआ। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत आयोजित इस अभियान में टाउनशिप की स्वच्छता सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के मार्गदर्शन में टाउनशिप उद्यानिकी और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण विभाग ने संयुक्त रूप से अभियान संचालित किया। इसके तहत पिपलानी स्थित करीब 4.5 एकड़ में फैले गांधी उद्यान के मुख्य द्वार से फव्वारा क्षेत्र तक लगभग 80 हजार वर्गफीट में सफाई और सौंदर्यीकरण किया गया। संपदा भवन स्थित टाउनशिप कार्यालय से एसबीआई एचईटी शाखा तक भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए गए। साथ ही जैविक खाद और जीवामृत के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। कार्यों का जियो टैग्ड तस्वीरों से दस्तावेजीकरण भी किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों से स्वच्छ एवं हरित टाउनशिप की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।



बच्चों ने इको-फ्रेंडली और सात्विक दीपावली मनाने का संकल्प लिया

हिरदाराम नगर।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों ने इको-फ्रेंडली और सात्त्विक दीपावली पर जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया। बच्चों को पर्व का वास्तविक महत्व बताया गया और पटाखों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, स्लोगन लेखन, रंगोली और दीया सजावट जैसी रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा चौथी के बच्चों द्वारा प्रस्तुत लघु नाटिका और नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे, जिसके माध्यम से प्रदूषणमुक्त और सुरक्षित त्योहार मनाने का संदेश दिया गया। बच्चों ने मिट्टी के दीप जलाने, ऊर्जा बचाने, पौधों की देखभाल करने और जरूरतमंदों के साथ खुशियाँ बाँटने का संकल्प लिया। विद्यालय की प्राधानाचार्या रेखा केवलानी और उप-प्रधानाचार्या दिव्या कृपलानी ने बच्चों से पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाने का आह्वान किया।

हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'हाट बाजार' एवं दीवाली फेस्ट



हिरदाराम नगर।

संत हिरदाराम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'हाट बाजार' एवं दीवाली फेस्ट का आयोजन किया गया। एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट क्लब द्वारा आयोजित छात्राओं ने विभिन्न पारंपरिक स्टॉल लगाए। हाट बाजार में दीए, सजावटी सामान, हस्तशिल्प और विविध व्यंजनों का सुंदर प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन से छात्राओं को सोशल मीडिया प्रमोशन, ब्रांडिंग और व्यावसायिक विचारों को सफल स्टार्टअप में बदलने का व्यावहारिक अनुभव मिला। पारंपरिक सजावट से सजे इस जीवंत मेले में छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत का उत्कृष्ट परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर हीरो ज्ञानचंदानी, डायरेक्टर डॉ. आशीष ठाकुर और ग्रुप एडवाइजर पी.एस. राठौर ने विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

एम्स भोपाल में ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम

भोजन की बर्बादी रोकने की शपथ, मिलेट्स और स्थानीय खाद्य पदार्थों की लगाई प्रदर्शनी

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के आहार विज्ञान विभाग द्वारा ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह 2026 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य मरीजों, उनके परिजनों और आम नागरिकों को संतुलित पोषण, खाद्य सुरक्षा तथा भोजन की बर्बादी रोकने के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान डीन (एकेडमिक्स) ने उपस्थित लोगों को शून्य खाद्य अपव्यय की शपथ दिलाई। सभी ने भोजन का सम्मान करने और जरूरत के अनुसार ही भोजन लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मिलेट्स (श्रीअन्न) और स्थानीय खाद्य पदार्थों पर आधारित पोषण प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया गया। प्रदर्शनी के माध्यम से इनके पोषण संबंधी गुणों और स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी गई।



आयोजकों ने बताया कि संतुलित आहार अपनाने के साथ खाद्य पदार्थों की बर्बादी रोकना सतत जीवनशैली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के जरिए स्वस्थ खानपान और जिम्मेदार उपभोग का संदेश दिया गया।

सिख जिन तकनीक और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सिस्टम पर हुई चर्चा, डॉ. गिरिबाबू को मिला आमंत्रित वक्ता पुरस्कार

मेनिट के तीन फैकल्टी सदस्यों ने किया सिंगापुर यूनिवर्सिटी का दौरा



भोपाल,यश भारत। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल के तीन फैकल्टी सदस्यों ने उन्नत तकनीकों और शोध सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. गिरिबाबू द्यनामिन तथा केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. सुमित एच. धवाने और डॉ. भरत मोधेरा शामिल रहे। दौरे के दौरान इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरिंग तथा केमिकल एंड बायोमोलेक्यूलर इंजीनियरिंग विभागों की शोध गतिविधियों को समझा। एन यू के प्रो. अक्षय राठौर के साथ सिलिकॉन कार्बाइड गैलियम नाइट्राइड तकनीक और इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सिस्टम में इनके उपयोग पर चर्चा हुई। इसमें व्हीकल टू ग्रिड और ग्रिड टू व्हीकल तकनीक प्रमुख रही। प्रतिनिधिमंडल ने 4 से 7 नवंबर तक आयोजित जीसीडीईएमअंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी भाग लिया। यहां डॉ. गिरिबाबू द्यनामिन को आमंत्रित वक्ता पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने किसानों के लिए हाइब्रिड नवीकरणीय ऊर्जा आधारित जल पंपिंग प्रणाली पर व्याख्यान दिया। इस दौरे से अंतरराष्ट्रीय शोध और शैक्षणिक सहयोग के नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

बजरंग सेना ने जरूरतमंद बच्चों को दीपावली की सामग्री भेंट की



हिरदाराम नगर

संत नगर में दीपावली पर बजरंग सेना समिति द्वारा स्वामी शांतिप्रकाश स्कूल के बच्चों को मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों और शिक्षिकाओं को पर्व की बधाई दी गई। वरिष्ठ समाजसेवी शंकरलाल आसूदानी व पंडित राज कुमार गर्ग ने कहा कि जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है। समिति अध्यक्ष कमलेश देवानी ने बताया कि 06 नवंबर को धनतेरस पर आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों को मिठाई और शिक्षिकाओं को उपहार हैम्पर भेंट किए जाएंगे। इस अवसर पर रूप कुमार सोनी, महेश खटवानी, गुरदास रामचंदानी, रमेश कुमार तोलानी, एडवोकेट बृजकिशोर सेन सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

यूनिकोड फॉन्ट से डिजिटल कार्यों में आएगी एकरूपता

निशातपुरा कारखाने में हिंदी कार्यशाला आयोजित, 51 रेलकर्मी हुए शामिल

भोपाल यश भारत।

सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना निशातपुरा में 4 नवंबर को कंप्यूटर पर यूनिकोड समर्थित मानक फॉन्ट के प्रयोग को लेकर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। मुख्य कारखाना प्रबंधक प्रफुल्ल वी. कोहाड़े के संरक्षण और कार्य प्रबंधक (यांत्रिक) आशीष झारिया की अध्यक्षता में हुई कार्यशाला में 51 रेलकर्मियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता राजभाषा विभाग, जबलपुर के सहायक निदेशक घनश्याम प्रसाद नामदेव ने पीपीटी के माध्यम से यूनिकोड की उपयोगिता और उसके व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी दी। इस दौरान आशीष झारिया ने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली में हिंदी को अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। यूनिकोड फॉन्ट से कार्यालयीन कार्यों में एकरूपता आएगी और डिजिटल दस्तावेजों का आदान-प्रदान आसान होगा। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रयोग हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।



रेलवे प्रशासन ने जारी की चेतावनी, ट्रैक और विद्युत लाइन के आसपास जाने पर प्रतिबंध

पगारा-रूठियाई रेलखंड पर 25 हजार वोल्ट की बिजली लाइन चालू

भोपाल,यश भारत।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में बीना-रूठियाई रेलखंड के पगारा से रूठियाई तक 25 हजार वोल्ट की ओवरहेड विद्युत लाइन 5 नवंबर 2026 से चालू कर दी गई है। इस लाइन में 50 हर्ट्ज एसी विद्युत प्रवाहित होगी। रेलवे प्रशासन ने इसे लेकर आम नागरिकों और क्षेत्रवासियों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है। रेलवे के अनुसार पगारा से रूठियाई के बीच ओवरहेड विद्युत लाइन को हर समय ऊर्जीकृत यानी चालू माना जाए। इसमें अत्यधिक उच्च वोल्टेज होने के कारण संपर्क में आने या नजदीक जाने से जानलेवा हादसा हो सकता है।



प्रशासन ने रेल यात्रियों आमजन और स्थानीय निवासियों से अपील की है कि विद्युत लाइन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। लाइन के नीचे किसी प्रकार का कार्य न करें और रेलवे ट्रैक व परिसर में अनधिकृत प्रवेश से बचें।

नवयुवक सभा शिक्षण संस्थाओं ने मनाया दीपोत्सव, उपहार भेंट किए



हिरदाराम नगर।

नव युवक सभा द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली का पर्व मनाया गया। सभा अध्यक्ष वासदेव वाधवानी ने सभी को दीपावली की बधाई देते हुए इसे शरद ऋतु के आगमन और स्वच्छता का प्रतीक बताया। सचिव सुरेश राजपाल ने समाज में ज्ञान की ज्योति फैलाने का संदेश दिया, जबकि कोषाध्यक्ष धर्मप्रकाश मोटवानी ने विद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना की। उपाध्यक्ष महेश दयारामानी ने मन की नकारात्मकता दूर कर सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित करने का आह्वान किया। महासचिव एवं एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी ने भी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्राचार्या ज्योति चौहान, प्राचार्य हरीओम शर्मा सहित सभा के तमाम पदाधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया 150 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण

32.54 करोड़ की लागत से हो रहा निर्माण

भोपाल,यश भारत।



उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने गुरुवार को सतना प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन 150 बिस्तरीय अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल भवन तैयार होने से पहले आवश्यक चिकित्सा उपकरणों और फर्नीचर की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान सांसद गणेश सिंह और महापौर योगेश ताम्रकार भी मौजूद रहे। पीआईयू की एसडीओ मंदाकिनी गुप्ता ने बताया कि 32.54 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरीय वार्ड, 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक और इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ ब्लॉक का निर्माण कराया जा रहा है। वर्तमान में चौथे तल की छत का कार्य जारी है। परियोजना मई 2027 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

हबीबगंज पॉलीक्लीनिक में स्वास्थ्य शिविर, 45 पेंशनभोगियों के बने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

भोपाल यश भारत।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल द्वारा राष्ट्रीय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र अभियान-5.0 के तहत गुरुवार को हबीबगंज स्थित पॉलीक्लीनिक में विशेष स्वास्थ्य एवं डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 55 पेंशनभोगियों एवं अन्य व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जबकि कल्याण निरीक्षकों ने 45 पेंशनभोगियों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र सफलतापूर्वक बनाए।



कार्यक्रम में सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक उपस्थित रहे। पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने भी आयोजन में सहयोग दिया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई के कर्मचारियों ने पेंशनभोगियों को डिजिटल और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए। साथ ही साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। भोपाल मंडल में यह अभियान 1 से 30 नवंबर तक चलाया जा रहा है। इसके तहत पेंशनभोगियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवाने, स्वास्थ्य परीक्षण कराने और साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी की सुविधा दी जा रही है। रेल प्रशासन का उद्देश्य पेंशनभोगियों को घर के नजदीक सुविधाएं उपलब्ध कराकर जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की प्रक्रिया सरल बनाना है।

शब्द मंदिर मासिक पत्रिका का हुआ विमोचन

भोपाल, यश भारत। हिंदी भवन स्थित लघुकथा शोध केंद्र समिति के सभागार में मासिक पत्रिका शब्द मंदिर का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. विकास दवे ने की। मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी तथा सारस्वत अतिथि पूर्व सांसद रघुनंदन शर्मा उपस्थित रहे। सबनानी ने कहा कि साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएं दीप स्तंभ की तरह समाज को दिशा देती हैं। नई पत्रिका का प्रकाशन साहित्य और संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. विकास दवे ने कहा कि संपादक का कार्य चुनौतीपूर्ण होता है। रचनाओं के चयन में संपादक को निष्पक्ष और निर्मम होना चाहिए। रघुनंदन शर्मा ने पत्रिका को साहित्य संस्कृति और राष्ट्रप्रेम की प्रतिनिधि बनाने की अपेक्षा जताई। कांता रॉय ने पत्रिका की भूमिका पर विचार रखे।

धनतेरस पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुआ विधिवत पूजन-अर्चन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा नेताओं ने की प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना

भोपाल, यश भारत।

धनतेरस के पावन पर्व पर राजधानी भोपाल स्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विधिवत पूजन अर्चन किया गया। धार्मिक उल्लास और उत्सवी माहौल के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। पूजा अर्चना के दौरान प्रदेश की सुख-समृद्धि खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की गई। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर तथा उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने विधि-विधान से पूजाक्षअर्चना कर प्रदेश की उन्नति और नागरिकों के जीवन में सुख-शांति बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं को भी दीपावली की बधाई देते हुए पर्व की खुशियां साझा कीं। धनतेरस के अवसर पर प्रदेश भाजपा कार्यालय में उत्सव और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां बांटीं। पारंपरिक धार्मिक आयोजन के साथ कार्यालय परिसर में दीपावली का उत्साह नजर आया।



कार्यकर्ताओं को दी दीपावली की शुभकामनाएं

दीपावली पर निर्बाध बिजली के लिए 1,880 कर्मचारी संभालेंगे मोर्चा

भोपाल,यश भारत। दीपावली पर घरों दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को रोशन रखने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने विशेष इंतजाम किए हैं। भोपाल शहर में निर्बाध बिजली आपूर्ति और शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए करीब 1 880 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये कर्मचारी तीन शिफ्टों में 24 घंटे सेवाएं देंगे। कंपनी के अनुसार भोपाल के पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और कोलार संभाग के सभी 27 जोन एवं वितरण केंद्रों के साथ 33/11 केवी उपकेंद्रों पर विशेष टीमें तैनात रहेंगी। यह व्यवस्था 6 से 9 नवंबर तक लागू रहेगी। कर्मचारियों को एफओसी वाहन सुरक्षा उपकरण और जरूरी विद्युत सामग्री उपलब्ध कराई गई है। विभिन्न जिला तहसील और ब्लॉक मुख्यालयों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी अस्थायी शिकायत निवारण केंद्र खोले गए हैं।



भोपाल यश भारत कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया धनतेरस पर्व, विधि-विधान से हुआ पूजन-अर्चन



भोपाल ,यश भारत।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित दैनिक यश भारत अखबार के कार्यालय में धनतेरस के पावन पर्व पर विधि विधान एवं श्रद्धा-भक्ति के साथ पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय में धार्मिक एवं उत्सवी माहौल रहा। सभी ने भगवान धन्वंतरि एवं मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की।

पूजन कार्यक्रम पंडित श्रीकांत भार्गव द्वारा संपन्न कराया गया। इस अवसर पर यश भारत के संस्थापक आशीष शुक्ला, रश्मि शुक्ला, यशिका शुक्ला, प्रमोद नगाइज, अरविंद कुमार कपिल, संकेत नाईक, आदित्य, सलमान गनी, राकेश साहू, महेंद्र राजपूत, विवेक खरे एवं अरुण वीरूप्रजापति सहित कार्यालय के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

पूजन के दौरान सभी ने दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं साझा कीं और संस्थान की निरंतर प्रगति सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द एवं उत्साह के वातावरण में हुआ।

हरदीप सिंह पुरी मप्र से निर्विरोध राज्यसभा सांसद निर्वाचित

भोपाल,यश भारत।



केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी मध्यप्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं। गुरुवार 5 नवंबर को उपचुनाव के लिए नाम वापसी की अंतिम समय-सीमा समाप्त होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने उनकी निर्विरोध जीत की औपचारिक घोषणा की। इसके साथ ही उन्हें निर्वाचन प्रमाण पत्र भी सौंप दिया गया। पुरी के निर्विरोध निर्वाचन से राज्यसभा में भाजपा की स्थिति और मजबूत हुई है। मध्यप्रदेश की इस राज्यसभा सीट के उपचुनाव में हरदीप सिंह पुरी के अलावा दो निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी नामांकन दाखिल किया था। इनमें कांग्रेस समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार राजकुमार लोहानी और कांते सायन्ना शामिल थे। हालांकि नामांकन पत्रों की जांच के दौरान तकनीकी खामियां और त्रुटियां पाए जाने के कारण दोनों प्रत्याशियों के नामांकन निरस्त कर दिए गए। ऐसे में चुनाव मैदान में पुरी ही एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे।



वाजपेयी नगर मल्टी फिर लहूलुहान

मासूम के कत्ल के खौफ से उबरे भी नहीं थे कि बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या, जेवर लूटे

भोपाल, यश भारत। राजधानी के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर मल्टी एक बार फिर सनसनीखेज वारदात से दहल उठी है। मल्टी के ब्लॉक नंबर ए-2 के ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाली बुजुर्ग महिला करेली प्रजापति पति रामचरण प्रजापति की अज्ञात बदमाशों ने गला दबाकर बेरहमी से हत्या कर दी और उनके शरीर से सोने-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए। इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि जिस मल्टी में महज दो साल पहले एक मासूम बच्ची के साथ ऐसी ही वीभत्स घटना हो चुकी हो, वहां आज भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं हैं?

दरवाजा खुला मिलने पर हुआ खुलासा

पड़ोसियों के मुताबिक, बुजुर्ग महिला करेली प्रजापति का दरवाजा काफी देर तक खुला हुआ था और वह बाहर नहीं आई। शक होने पर जब पड़ोसी अंदर गए, तो उनका शव बाथरूम में मिला। मृतका के कानों और मुंह से खून आ रहा था। उनके कानों से झुमके और अन्य जेवर जबरन खींचे जाने के स्पष्ट निशान मिले हैं, जिससे साफ है कि बदमाशों ने लूटपाट के विरोध करने पर या पहचान छिपाने की नीयत से इस नृशंस हत्याकांड को अंजाम दिया। मृतका अपने मूक-बधिर बेटे के साथ इस फ्लैट में रहती थीं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उमेश पाल सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाकर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए।

दो साल पुराना वह काला सायाः जब मासूम की लाश टंकी में मिली थी

वाजपेयी नगर मल्टी के निवासियों के जेहन से अभी तक दो साल पुरानी उस खौफनाक घटना की यादें धुंधली भी नहीं पड़ी हैं। ठीक इसी मल्टी के एक अन्य ए1 ब्लॉक में सितंबर 2024 में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। आरोपी ने बच्ची के शव को पानी की प्लास्टिक की टंकी में छिपा दिया था,और पुलिस व 5 थानों की टीमों को घंटों तक गुमराह किया गया था। उस दर्दनाक कांड के बाद प्रशासन और पुलिस ने मल्टी में सुरक्षा के कड़े दावे किए थे, लेकिन समय के साथ वह दावे कागजों तक ही सीमित रह गए।

बार-बार क्यों सुलग रहा है अपराध का यह केंद्र?

लगातार हो रही इन गंभीर वारदातों ने वाजपेयी नगर मल्टी की आंतरिक सुरक्षा, बाहरी असामाजिक तत्वों की आवाजाही और पुलिस गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रहवासियों का कहना है कि यदि समय रहते मल्टी में पुलिस चौकी या नियमित बीट पेट्रोलिंग जैसी पुख्ता व्यवस्था नहीं की गई, तो बदमाश इसी तरह बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देते रहेंगे।

भोपाल के बाजारों में धनतेरस की बहारः एक हजार करोड़ से अधिक के कारोबार की उम्मीद

भोपाल, यशभारत। राजधानी में आज शुक्रवार को मनाए जा रहे धनतेरस के पावन पर्व पर बाजारों में बंपर कारोबार की उम्मीद है। सोना-चांदी, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सजावटी सामान और आतिशबाजी के बाजारों में सुबह से ही ग्राहकों की भारी चहल-पहल देखने को मिल रही है। कारोबारी अनुमानों के मुताबिक, इस बार भोपाल में धनतेरस पर 1000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की संभावना है, जो शहर की अर्थव्यवस्था को एक नई रफ्तार देगा।

सराफा बाजार में ?150 करोड़ पार का अनुमान, हल्के वजन की ज्वेलरी और सिक्कों की मांग–त्योहार पर सबसे अधिक रौनक सराफा बाजार में है। सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भी ग्राहकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। श्री सराफा एसोसिएशन चौक के सचिव अखिलेश मित्तल के अनुसार, इस दिवाली सीजन में भोपाल का सोना-चांदी कारोबार 150 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है, जो पिछले साल करीब 100 से 125 करोड़ रुपये के बीच रहा था। ग्राहक पहले से ही अपनी पसंद के गहनों की एडवांस बुकिंग करा रहे हैं। वहीं, कारोबारी राजेश अग्रवाल बताते हैं कि कीमतों में बदलाव के चलते इस बार भारी गहनों के बजाय एक, दो और तीन ग्राम की लाइटवेट ज्वेलरी तथा चांदी के सिक्कों की जबरदस्त मांग बनी हुई है।

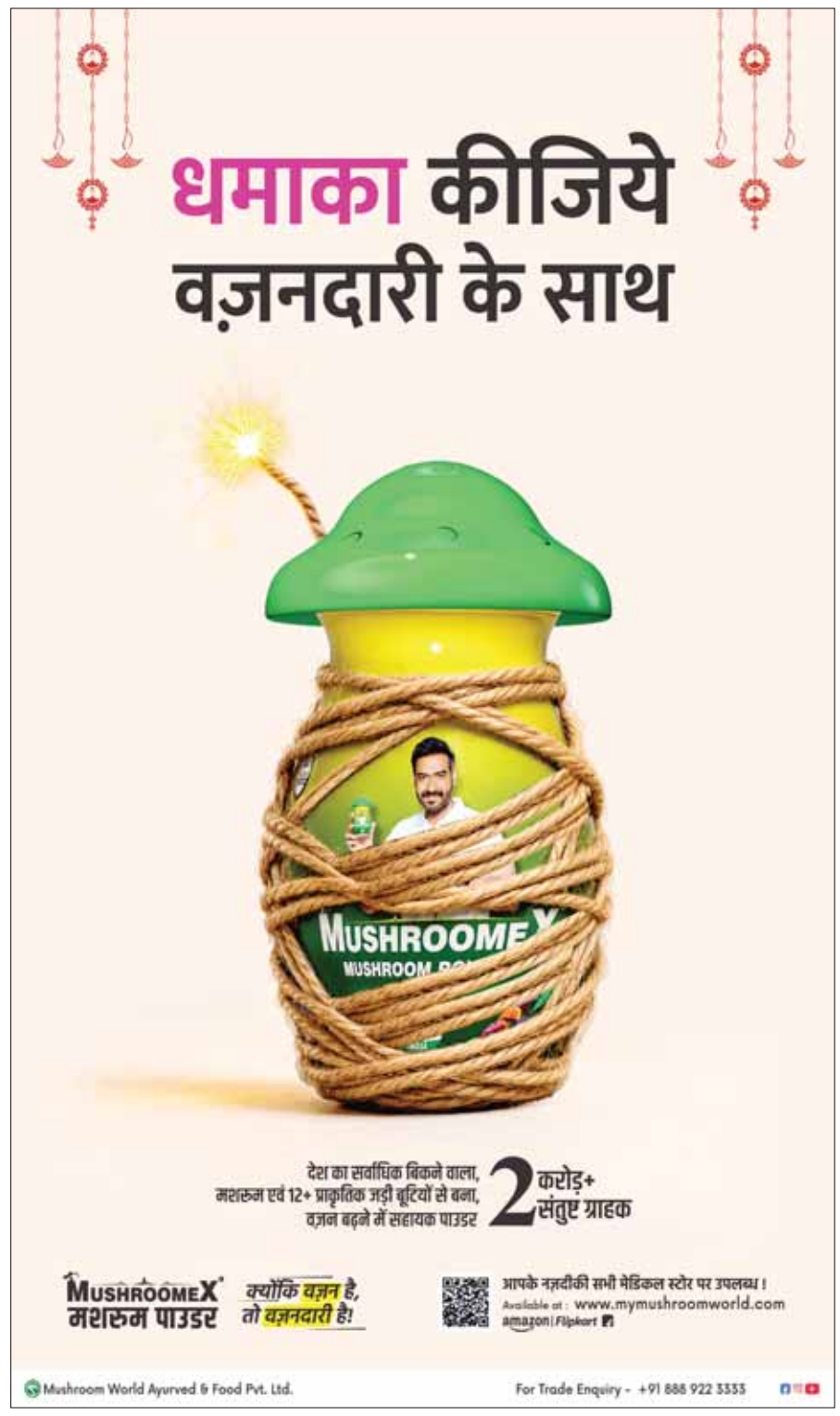
इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेज पर विशेष ऑफर–परंपरागत खरीदारी के साथ-साथ इस बार इलेक्ट्रॉनिक बाजार में भी बूम देखने को मिल रहा है। एमपी नगर और शहर के प्रमुख शोरूम्स में टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, माइक्रोवेव और स्मार्टफोन्स की खरीदारी के लिए मध्यमवर्गीय परिवारों की भीड़ जुटी है। कंपनियों और शोरूम संचालकों द्वारा दी जा रही आकर्षक छूट, आसान किस्तों और एक्सचेंज ऑफर्स ने ग्राहकों के लिए खरीदारी को और सुगम बना दिया है।



डिजाइनर दीयों और एलईडी लाइटिंग से सज रहे घर

घरों और प्रतिष्ठानों को रोशन करने के लिए इस बार पारंपरिक मिट्टी के दीयों के साथ-साथ रंग-बिरंगी एलईडी झालरों, डिजाइनर लैंप, कृत्रिम फूलों की मालाओं और आधुनिक बंदनवारों का खास ट्रेंड है। न्यू मार्केट, चौक बाजार से लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों में सजी दुकानों और फुटपाथों पर खरीदारी का माहौल है, जिससे स्थानीय कुम्हारों और छोटे दुकानदारों को भी बेहतरीन कारोबार का अवसर मिल रहा है। इसके साथ ही, हलालपुर स्थित पटाखा बाजार में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच आतिशबाजी की बिक्री शुरू हो चुकी है।









संपादकीय

कर्ज की गिरफ्त में दम तोड़ती पारिवारिक खुशियां



भोपाल के मालीखेड़ी में कर्ज के बोझ से दबे नरेंद्र साहू द्वारा मां, पत्नी और दो मासूम बच्चों की हत्या के बाद खुद आत्महत्या कर लेने की घटना महज एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि हमारे बदलते सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर करारा तमाचा है। एक व्यक्ति पर हर महीने करीब 40 हजार रुपये ब्याज चुकाने का दबाव था। मकान, कार और बाइक बेचने के बाद भी कर्ज खत्म नहीं हुआ। आर्थिक दबाव के साथ अन्य परिस्थितियां भी इस घटना से जुड़ी बताई जा रही हैं। सवाल यह है कि आखिर कर्ज का बोझ इंसान को किस हद तक तोड़ रहा है और हमारा समाज ऐसी परिस्थितियों को रोकने के लिए क्या कर रहा है?

आज कर्ज लेना जितना आसान हुआ है, उससे निकलना उतना ही कठिन होता जा रहा है। बैंक, फाइनेंस कंपनियां और निजी साहूकार हर जरूरत के लिए ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। बाजार ने भी एक ऐसी संस्कृति विकसित कर दी है, जिसमें जरूरत से ज्यादा इच्छाओं को महत्व दिया जा रहा है। महंगी गाड़ी, बड़ा मकान, ब्रांडेड सामान और भव्य आयोजन सामाजिक प्रतिष्ठा के प्रतीक बना दिए गए हैं। लोग अपनी आमदनी नहीं, दूसरों की जीवनशैली देखकर खर्च करने लगे हैं। आसान किस्तों का आकर्षण भविष्य की आर्थिक परेशानियों को छिपा देता है। फिर एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लिया जाता है और परिवार ब्याज के ऐसे भंवर में फंस जाता है, जहां उसकी पूरी कमाई दूसरों की जेब में जाने लगती है।

सबसे खतरनाक स्थिति अवैध सूदखोरी की है। ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज देने वाले लोग मजबूरी का फायदा उठाते हैं। वसूली के नाम पर धमकी, अपमान और मानसिक प्रताड़ना व्यक्ति को भीतर तक तोड़ देती है। दूसरी ओर, वित्तीय संस्थानों की ऋण वसूली प्रक्रिया को भी मानवीय और जवाबदेह बनाने की जरूरत है। आर्थिक संकट किसी अपराध का औचित्य नहीं हो सकता, लेकिन संकटग्रस्त व्यक्ति को समय रहते सहायता न मिलना भी व्यवस्था की गंभीर विफलता है।

अब सरकार को केवल आर्थिक विकास और ऋण वितरण के आंकड़ों से आगे बढ़कर परिवारों की आर्थिक सुरक्षा पर ध्यान देना होगा। अवैध सूदखोरी पर कठोर कार्रवाई, ऋण पुनर्गठन की सरल व्यवस्था, कानूनी सहायता और मानसिक परामर्श केंद्र स्थापित करना समय की मांग है। स्कूलों से ही वित्तीय साक्षरता की शिक्षा दी जानी चाहिए, ताकि नई पीढ़ी कर्ज और बचत का अंतर समझ सके।

समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। आखिर हम आने वाली पीढ़ी को बचत और आत्मनिर्भरता की सीख देंगे या दिखावे के लिए कर्ज लेने की आदत? प्रतिष्ठा का पैमाना महंगी गाड़ी और आलीशान मकान नहीं, बल्कि कर्जमुक्त जीवन और खुशहाल परिवार होना चाहिए। भोपाल की घटना एक भयावह चेतावनी है। कर्ज की समस्या को केवल व्यक्ति की निजी विफलता मानकर छोड़ना घातक होगा। आर्थिक समृद्धि का वास्तविक अर्थ तभी है, जब बाजार की चमक के पीछे परिवारों का अंधेरा न छिपा हो।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
दिन सामान्य रहने वाला है
किसी की मदद करने
से खुशी मिलेगी

वृष
किसी विशेष कार्य को करने में दिन
व्यतीत होगा लोगों की
प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन
खुशनुमा रहने वाला है

कर्क
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं
खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता
का आशीर्वाद
लेकर कार्य करें

कन्या
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं
परिवार के साथ समय
व्यतीत कर सकते हैं

तुला
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों
में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग
प्राणायाम अवश्य करें

धनु
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं
मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर
साझेदारी के काम को सोच समझ कर
आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक
स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन
सामान्य रहने वाला है

धन्वंतरि की दिव्य विरासत और यमदीप की प्राचीन परंपरा

आरोग्य, धन और समृद्धि का पावन पर्व है धनतेरस



प्रतिवर्ष दीपावली से दो दिन पूर्व कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनतेरस का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 6 नवंबर को मनाया जा रहा है। भारतीय संस्कृति में धनतेरस का विशेष धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसे केवल धन और वैभव की प्राप्ति का पर्व मानना उचित नहीं होगा बल्कि यह आरोग्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है। इस दिन विशेष रूप से भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और धन के देवता कुबेर की पूजा-अर्चना की जाती है। धनतेरस का इतिहास अत्यंत प्राचीन माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर समुद्र से प्रकट हुए थे। उन्हें भगवान विष्णु का अंशावतार तथा आयुर्वेद का प्रवर्तक माना जाता है। मान्यता है कि उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था, जो जीवन, स्वास्थ्य और अमरत्व का प्रतीक है। इसी कारण उन्हें देवताओं का वैद्य और आरोग्य का देवता कहा जाता है। समुद्र मंथन से प्राप्त अमृत के माध्यम से देवताओं को अमरत्व प्राप्त हुआ था। भगवान धन्वंतरि के इसी दिव्य प्राकट्य की स्मृति में धनतेरस मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

भगवान धन्वंतरि का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है बल्कि उनका आयुर्वेद और भारतीय चिकित्सा परंपरा में भी विशेष स्थान है। आयुर्वेद को जीवन का विज्ञान माना गया है, जिसका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं बल्कि शरीर और मन को स्वस्थ रखते हुए दीर्घ एवं संतुलित जीवन प्रदान करना है। यही कारण है कि धनतेरस का दिन चिकित्सकों, वैद्यों और चिकित्सा जगत से जु? लोगों के लिए भी विशेष महत्व रखता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर लोग परिवार के आरोग्य, निरोगी काया और दीर्घायु की कामना करते हैं। धनतेरस हमें यह संदेश भी देता है कि वास्तविक धन केवल सोना, चांदी और संपत्ति नहीं बल्कि अच्छा स्वास्थ्य, मानसिक शांति और संतोषपूर्ण जीवन है। इसलिए इस पर्व का मूल भाव धन के साथ आरोग्य और समृद्धि की मंगलकामना करना है।

धनतेरस के पर्व पर भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा के साथ मृत्यु के देवता यमराज के पूजन तथा दीपदान का भी विशेष विधान है। इस दिन संध्याकाल में घर के मुख्य द्वार पर दक्षिण दिशा की ओर यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है, जिसे 'यम दीपक' अथवा 'यमदीपदान' कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से परिवार के सदस्यों को अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है और घर में सुख-समृद्धि तथा मंगल बना रहता है। इस परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और भावुक पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, एक बार यमराज ने अपने दूतों से पूछा कि प्राणियों के प्राण हरते समय क्या कभी ऐसा अवसर भी आया, जब किसी व्यक्ति के प्रति तुम्हारे मन में दया उत्पन्न हुई हो और तुम्हारा हृदय करुणा से भर उठा हो? यमराज का प्रश्न सुनकर यमदूतों ने उत्तर दिया कि वे तो केवल उनकी आज्ञा का पालन करने वाले सेवक हैं। उनका कार्य निर्धारित समय पर जीवों के प्राण लेना है, इसलिए दया और मोह-माया का उनके कार्य में कोई स्थान नहीं है। हालांकि, यमराज द्वारा निर्भय होकर सच बताने का आश्वासन दिए जाने पर उन्होंने एक ऐसी घटना का उल्लेख किया, जिसने उन्हें भी भीतर तक विचलित कर दिया था।

यमदूतों ने बताया कि एक बार हंस नाम का राजा शिकार के लिए जंगल में गया था। शिकार करते समय वह अपने साथियों से बिछु?कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने अतिथि धर्म का पालन करते हुए उसका खूब आदर-सत्कार किया। संयोगवश उसी दिन राजा हेमा की पत्नी ने एक अत्यंत सुंदर पुत्र को जन्म दिया। राजपरिवार में खुशियां छा गई लेकिन ज्योतिषियों ने नवजात राजकुमार की कुंडली देखकर भविष्यवाणी की कि विवाह के ठीक चार दिन बाद उसकी मृत्यु हो जाएगी। यह सुनकर राजा और रानी शोकाकुल हो उठे। उन्होंने अपने पुत्र को इस अनिष्ट से बचाने के लिए उसे यमुना नदी के किनारे एक निर्जन गुफा में रखवा दिया। वहां उसके पालन-पोषण की राजसी व्यवस्था की गई और विशेष सावधानी बरती गई कि उस पर किसी युवती की छाया तक न प?े। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। एक दिन संयोगवश राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर पहुंच गई। वहां उसकी दृष्टि राजकुमार पर प?ी और दोनों एक-दूसरे को देखते ही मोहित हो गए। उनके बीच प्रेम उत्पन्न हुआ और उन्होंने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया। दुर्भाग्यवश, ज्योतिषियों की भविष्यवाणी के अनुसार विवाह के चार दिन बाद ही राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने अपने जीवन में उस नवविवाहित जो? जैसा सुंदर और प्रेमपूर्ण युगल कभी नहीं देखा था। दोनों कामदेव और रति के समान प्रतीत होते थे। राजकुमार के प्राण हरने के बाद जब उसकी नवविवाहिता पत्नी ने विलाप करना शुरू किया तो उसका करुण क्रंदन सुनकर यमदूतों का हृदय भी द्रवित हो उठा। यह पूरा वृत्तांत सुनने के बाद यमराज ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को भगवान धन्वंतरि के पूजन के साथ उनके निमित्त दीपदान करने से अकाल मृत्यु के भय से रक्षा होती है। तभी से धनतेरस पर यमदीपदान की परंपरा प्रचलित होने की मान्यता है। इसी विश्वास के चलते लोग संध्याकाल में घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाकर यमराज से परिवार के सभी सदस्यों की लंबी आयु और आरोग्य की प्रार्थना करते हैं।

धनतेरस पर खरीदारी की भी विशेष परंपरा है। इस दिन पुराने और टूटे-फूटे बर्तनों के स्थान पर नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। विशेष रूप से तांबे, पीतल और चांदी के बर्तन खरीदने की परंपरा है। अनेक लोग सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के और अन्य उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते हैं। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई वस्तुएं घर में सुख, सौभाग्य और समृद्धि लेकर आती हैं। कुछ परिवारों में नई झा? खरीदकर उसका पूजन करने की भी परंपरा है।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में ऐतिहासिक हार का महा झटका!

ट्रंप की वैश्विक साख पर प्रहार! टूटा भ्रम



वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे पुराने लोकतंत्र व विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था या यूँ कहें कि पूरे विश्वपर अनौपचारिक रूप से राज करने वाले अमेरिका के मध्यावधि चुनावों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की राजनीति में ऐतिहासिक मोड़ ला दिया है। अभी वर्तमान विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट,दोनों में बहुमत हासिल कर लिया है। हालांकि अमेरिका के इतिहास में यह कोई पहली बार नहीं हुआ है।पिछले 20 वर्षों में पांच मिडटर्म चुनाव हुए। इन सभी में राष्ट्रपति की पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में सीटें गंवाईं। यह परिणाम केवल विपक्ष की चुनावी सफलता नहीं, बल्कि महंगाई, जीवन- यापन की लागत, ईरान युद्ध और ट्रंप प्रशासन की नीतियों के प्रति मतदाताओं की नाराजगी का संकेत भी है, ऐसा माना जा रहा है कि जिसका पहले से ही अंदेशा भी था? मीडिया के अनुसार, विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स ने प्रतिनिधि सभा में बहुमत के लिए आवश्यक 218 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया और सीनेट पर भी नियंत्रण हासिल किया।चुनावी गणित-कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स की वापसी करीब करीब सुनिश्चित हो गई है प्रतिनिधि सभा 225 - डेमोक्रेट्स 137 रिपब्लिकन सीटें घोषित बहुमत- 218 / 435 सीनेट 51+, डेमोक्रेटिक गठबंधन बहुमत का आंकड़ा पार,बहुमत- 51/ 100,4 नवंबर को उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार,प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेट्स ने 225 और रिपब्लिकन ने 137 सीटें जीत ली थीं, बस मिनट में 54 सीटें प्राप्त कर ली थी,जबकि शेष सीटों पर मतगणना जारी थी। सीनेट में भी डेमोक्रेट्स नेरिपब्लिकन बहुमत समाप्त कर दिया। कई महत्वपूर्ण रिपब्लिकन सीटों पर डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने सत्ता का संतुलन बदल दिया। अंतिम प्रमाणित सीटों की संख्या राज्यवार मतगणना और प्रमाणन के बाद स्पष्ट होगी। अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों की तुलना भारत की संसद से की जा सकती है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा भारत की लोकसभा के समान जनता का प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व करती है। इसकी सभी 435 सीटों पर हर दो वर्ष में चुनाव होता है। अमेरिकी सीनेट भारत की राज्यसभा की तरह एक उच्च सदन है, लेकिन दोनों में महत्वपूर्ण अंतर हैं। अमेरिकी सीनेट में 100 सदस्य होते हैं, प्रत्येक राज्य से दो,और उनका कार्यकाल छह वर्ष होता है।भारत में राज्यसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 250 है, वर्तमान संवैधानिक सीमा के अंतर्गत 245 सदस्य हो सकते हैं, जिनमें 12 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। राज्यसभा स्थायी सदन है और इसके लगभग एक- तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

साथियों बात अगर हम ट्रंप की हार

कार्यकाल नहीं, राजनीतिक शक्ति पर असर को समझने की करें तो मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति का चुनाव नहीं है। ट्रंप का चार वर्ष का राष्ट्रपति कार्यकाल जनवरी 2029 तक जारी रहेगा। चुनाव में हार से उनका कार्यकाल छोटा नहीं होगा, लेकिन कानून पारित करना, बजट मंजूर कराना और प्रशासनिक नियुक्तियों को आगे बढ़ाना कठिन हो सकता है।डेमोक्रेटिक बहुमत वाली समितियां अब ट्रंप प्रशासन के फैसलों,सरकारी खर्च, आव्रजन नीति, व्यापारिक टैरिफ और युद्ध संबंधी निर्णयों की जांच कर सकती हैं।महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है, लेकिन केवल चुनाव हारने से महाभियोग स्वतः नहीं होता। राष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए प्रतिनिधि सभा में महाभियोग और सीनेट में दोषसिद्धि के लिए दो-तिहाई समर्थन आवश्यक है।पिछले 20 वर्षों में2006 2010, 2014, 2018 और 2022 के पांच मिडटर्म चुनाव हुए। इन सभी में राष्ट्रपति की पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में सीटें गंवाई। जॉर्ज डब्ल्यू. बुश, बराक ओबामा, डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के कार्यकालों में यह राजनीतिक पैटर्न दिखाई दिया। सीनेट में स्थिति अलग रही- 2006 और 2014 में राष्ट्रपति की पार्टी ने नियंत्रण गंवाया, जबकि 2010, 2018 और 2022 में बहुमत बरकरार रखा या मजबूत किया। यह ऐतिहासिक प्रवृत्ति बताती है कि मिडटर्म चुनाव अक्सर राष्ट्रपति के लिए जनमत की सटीकता से परीक्षा होते हैं। साथियों बात अगर हम अब ट्रंप की नीतियों का क्या होगा? इसको समझने की करें तो,डेमोक्रेटिक नियंत्रण से ट्रंप की नीतियों पर संसदीय अंकुश बढ़ेगा, लेकिन उनकी सभी नीतियां स्वतः समाप्त नहीं होंगी।टैरिफ और अमेरिका फर्स्ट- कांग्रेस को विदेशी व्यापार और आयात शुल्क पर संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। राष्ट्रपति को कुछ कानूनों के अंतर्गत टैरिफ लगाने की शक्तियां भी मिली हैं। डेमोक्रेट्स टैरिफ से जुड़े कानूनों, बजट और प्रशासनिक फैसलों की समीक्षा कर सकते हैं, लेकिन हर टैरिफ को तत्काल समाप्त नहीं कर सकते।आव्रजन और वीजा- भारतीय छात्रों,आईटी पेशेवरों और एच -1बी वीजा धारकों के लिए अधिक निष्पक्ष आव्रजन नीति की संभावना बन सकती है।हालांकि वीजा नियमों मेंबदलाव के लिए प्रशासनिक निर्णय, कानून और संबंधित एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। तत्काल वीजा राहत की गारंटी नहीं है।वेनेजुएला और विदेश नीति- वेनेजुएला को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने जैसे राजनीतिक बयानों को वास्तविक नीति या संवैधानिक प्रक्रिया नहीं माना जा सकता। कांग्रेस विदेश नीति, सैन्य खर्च और प्रतिबंधों पर निगरानी बढ़ा सकती है, लेकिन राष्ट्रपति की कूटनीतिक शक्तियां बनी रहेंगी।

साथियों बात अगर हम इस मिड टर्म चुनाव 3 नवंबर 2026 में भारतीय-अमेरिकी और मुस्लिम मतदाताओं की भूमिका को समझने की करें तोमिशिगन में 42 वर्षीय डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद ने रिपब्लिकन माइक रोजर्स को हराकर अमेरिकी सीनेट में पहुंचने वाले पहले मुस्लिम व्यक्ति बनने का इतिहास रचा।उन्होंने स्वास्थ्य सेवा,जीवन-यापन की लागत और राजनीति में कॉरपोरेट धन के प्रभाव को अपने अभियान का केंद्र बनाया। ट्रंप के तीखे हमलों के बावजूद उनकी जीत ने मुस्लिम -अमेरिकी समुदाय के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को नई पहचान दी।हालांकि मुस्लिम और भारतीय- अमेरिकी मतदाताओं ने कितने प्रतिशत वोट देकर चुनाव परिणाम बदल दिया, इसका सटीक राष्ट्रीय आंकड़ा अभी उपलब्ध नहीं है। इसलिए उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण कहा जा सकता है,

(लेखक-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

पारिवारिक रिश्तों में जहर घोल रही है डिजिटल सौतन



आज मोबाइल पर रील ओटीटी चैनल पर बढ़ता स्क्रीन टाइम पारिवारिक माहौल में जहर घोलने का काम कर रहा हैं। परिजनों के बीच भी बैठे एक ही परिवार के सदस्यों के बीच वार्तालाप के समय को इस डिजिटल सौतन ने छीन लिया है। डाइनिंग टेबल हो या ड्राइंग रूम सब की मौजूदगी में भी सब अकेले है। यह एक कटु सच्चाई है आपसी रिश्ते मोबाइल और सोशल मीडिया के निशाने पर हैं।

हाल ही में एक ऐसा ही मामला काफी सुर्खियों में आ गया जब एक ही छत के नीचे रहने वाले वरिष्ठ चिकित्सक दंपती के बीच मोबाइल डिजिटल सौतन बन गया है। पति सर्जन और पत्नी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। पति को यूट्यूब पर वीडियो देखने की लत दो वर्ष पहले पड़ी। वह घर आने के बाद पत्नी से बात करने की जगह मोबाइल पर वीडियो देखने लग जाते हैं। इससे पत्नी चिढ़ने लगीं, पति को समझाने का प्रयास किया। लत नहीं छूटी।

आगरा का यह मामला इसी गंभीर स्थिति का एक सटीक और बेहद चौंकाने वाला उदाहरण है। आगरा पुलिस के परिवार परामर्श केंद्र में हाल ही में आया यह केस यह साबित करता है कि मोबाइल एडिक्शन किसी भी वर्ग या पेशे के व्यक्ति को अपना शिकार बना सकता है।

इस पूरे मामले के मुख्य बिंदुओं पर नजर डाल लीजिए। इस मामले में पति एक सर्जन हैं और पत्नी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। दोनों ही उच्च शिक्षित और प्रतिष्ठित पेशेवर हैं।

डॉक्टर पति को पिछले दो साल से यूट्यूब पर वीडियो और रील्स देखने की गंभीर लत लग गई थी। अस्पताल से घर लौटने के बाद वे पत्नी से बात करने के बजाय घंटों मोबाइल स्क्रीन में खोए रहते थे।

पत्नी ने काउंसलिंग के दौरान अपनी नाराजगी और लाचारी जाहिर करते हुए एक बेहद तीखी बात कही। उन्होंने कहा, वीडियो देखने से अच्छा है कि पति नशा या शराब ही पी लिया करें, कम से कम उस बहाने मुझसे बात तो करेंगे। यह बयान दिखाता है कि पार्टनर की डिजिटल अनदेखी किसी को किस हद तक मानसिक रूप से आहत कर सकती है।

आगरा कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग के प्रोफेसर और काउंसलर्स के मुताबिक, इस दंपती की दो बार काउंसलिंग की जा चुकी है, जिसके बाद उनके बीच का तनाव और कड़वाहट धीरे-धीरे कम हो रही है।

आगरा पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के आंकड़े बताते हैं कि वहां आने वाले वैवाहिक विवादों के कुल मामलों में से 35 से 40 प्रतिशत मामले केवल मोबाइल स्क्रीन टाइम और डिजिटल एडिक्शन के कारण आ रहे हैं। अब शराब की लत या पारिवारिक हस्तक्षेप से भी बड़ी वजह यह डिजिटल सौतन बनती जा रही है

अकेले में मोबाइल की स्क्रीन देखकर अपने चेहरे के भाव बदलते रहते हैं। यह अकेला मामला नहीं है, पति-पत्नी के बीच मोबाइल डिजिटल सौतन की जगह ले रहा है। घर और परिवार से दूर रहने वालों के बीच दूरियां कम करने वाला मोबाइल एक छत के नीचे रहने वाले पति-पत्नी के बीच अनदेखी डिजिटल दीवार खड़ी कर रहा है।घर में मोबाइल को अधिक समय देना, बार-बार वाट्सएप चेक करना और चैट करना पति-पत्नी के रिश्तों में रार पैदा कर रहा है। परिवार परामर्श केंद्र में वर्तमान में एक हजार से अधिक मामले पहुंचे, जिनमें 35 से 40 प्रतिशत मामले मोबाइल के चलते होने वाली रार के थे। पिछले तीन वर्ष मे इस तरह के मामलों में बढोत्तरी हुई है। इससे पहले पति-पत्नी का एक दूसरे पर किसी और से प्रेम संबंध होने का शक करने के मामले अधिक थे। एक अध्ययन में अमेरिका के 40,337 बच्चों और किशोरों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया था। इसमें पाया गया कि 14 से 17 साल के जिन किशोरों ने रोजाना सात घंटे या उससे अधिक स्क्रीन का इस्तेमाल किया उनमें एक घंटे तक स्क्रीन इस्तेमाल करने वालों की तुलना में डिप्रेशन या एंग्जायटी में होने की संभावना दोगुने से ज्यादा थी। लेकिन यह अध्ययन दोनों के बीच संबंध दिखाता है इसमें यह साबित नहीं होता है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का एकमात्र कारण है। फिर भी इस आकड़े के नतीजे से डिजिटल आदतों पर ध्यान देने की जरूरत बढ़ जाती है।

अगर आप अपना स्क्रीन टाइम कम करना चाहते है तो इसकी शुरुआत छोटे बदलावों से की जा सकती है। जिसमें खाना खाते समय फोन दूर रखें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत के दौरान नोटिफिकेशन बंद करें और दिन में कुछ समय टहलने, व्यायाम करने या कोई नया शौक सीखने के लिए निकालना शुरू कर दें। वहीं सोने से पहले मोबाइल का इस्तेमाल सीमित करना और बच्चों के स्क्रीन टाइम पर नजर रखना भी उपयोगी हो सकता है। इसमें ध्यान रखें कि काम, पढ़ाई और मनोरंजन के लिए स्क्रीन की जरूरत अलग-अलग होती है इसलिए सभी के लिए एक ही समय-सीमा सही नहीं मानी जाएगी। आखिर में तकनीक को पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं बल्कि उसका समझदारी से इस्तेमाल करना जरूरी है। देखा जाता है कि डिजिटल दुनिया से जुड़े रहने के साथ वास्तविक रिश्तों, शारीरिक गतिविधियों और खुद के लिए समय निकालना मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बेहतर संतुलन बनाने में मदद कर सकता है।स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। जिसमें पढ़ाई से लेकर ऑफिस के काम और दोस्तों से बातचीत तक कई गतिविधियां स्क्रीन के जरिए होती हैं। वहीं अब तकनीक ने जिंदगी को और भी आसान बना दिया लेकिन इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल मानसिक और शारीरिक सेहत पर असर डाल सकता है। जिसको देखते हुए सवाल यह है कि क्या हम तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं या धीरे-धीरे उसी पर निर्भर होते जा रहे हैं? यदि जीवन में डिजिटल संसार ने ज्ञान का अपार भंडार खोल दिया है तो दूसरी ओर जीवन में सरलता सहजता और अन्तर्मन की खुशी को कहीं न कहीं प्रभावित किया है। जीवन में बहुत कुछ सीखने पाने हासिल करना उस समय निरर्थक हो जाता है जब भीतर का आह्लाद अनुभव नहीं होता जब पास में मौजूद प्रकृति का सौंदर्य बोध ह्रदय में कोई उमंग नहीं जगाता जब पास मे मौजूद परिजनों से मिलकर बात कर कोई खुशी महसूस नहीं होती जब जीवन के अस्तित्व से जुड़ी अनुभूतियाँ क्षीण होने लगती है। **(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल**

दिवाली पर बैतूल में कार्बाइड गन और गैस बोतल लैंप पर बैन, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई '

यश भारत, बैतूल। बैतूल आगामी दीपावली, धनतेरस एवं देवउठनी ग्यारस के दौरान जनसुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत जिले में कार्बाइड गन और गैस से चलने वाले बोतल नुमा लैंप के निर्माण, बिक्री एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।



आदेश के अनुसार जिले में किसी भी प्रकार की कार्बाइड गन, गैस से चलने वाली बंदूक, बोतल नुमा लैंप, पटाखा गन, लोहे के पाइप से बनी गन अथवा विस्फोटक मिश्रण से चलने वाले खिलौने व उपकरणों का निर्माण, विक्रय, भंडारण एवं उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इसी तरह बम पटाखा, सुतली बम, चकरी, अनार, रॉकेट, फुलझड़ी, चटपटी, बारूद, गंधक, पोटाश, एल्युमिनियम पाउडर सहित अन्य विस्फोटक सामग्री का अवैध निर्माण एवं भंडारण भी प्रतिबंधित रहेगा।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कार्बाइड गन और गैस से चलने वाले बोतल लैंप बेहद खतरनाक होते हैं। इनके इस्तेमाल से आंखों, हाथों एवं शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने के साथ-साथ आगजनी की घटनाएं भी हो सकती हैं। पिछले वर्षों में इस तरह की घटनाओं से बच्चों एवं आमजन को नुकसान पहुंचा है। इसी को ध्यान में रखते हुए संबंधित दुकानदारों की ओर से भी इस तरह के खतरनाक खिलौनों की बिक्री न करने की मांग की गई थी।

निर्माण से लेकर उपयोग तक प्रतिबंध

जारी आदेश के अनुसार संकटमोचक मन का निर्माण, संचालन, क्रय-विक्रय, वितरण, भंडारण एवं उपयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही ज्वलनशील पदार्थों का खुले में भंडारण, बिना लाइसेंस पटाखों का निर्माण एवं बिक्री तथा सार्वजनिक स्थानों पर आतिशबाजी से संबंधित अवैध गतिविधियों पर भी रोक लगाई गई है।

यह प्रतिबंधात्मक आदेश संपूर्ण राजस्व जिले में लागू रहेगा। पुलिस विभाग, समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार, नगर पालिका, नगर पंचायत, जनपद पंचायत एवं पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

किसान के बच्चों की मेहनत को मिला इनाम: 54 मेधावियों को बांटी 15.84 लाख की प्रोत्साहन राशि '

यश भारत, सोहागपुर / बैतूल। सोहागपुर किसान परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से सोहागपुर स्थित शुगर मिल परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कक्षा 10वीं, 12वीं और एमबीबीएस में चयनित कुल 54 विद्यार्थियों को 15 लाख 84 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान शुगर मिल संचालक अखिलेश गोयल और अभिषेक गोयल ने कलेक्टर का स्वागत किया। उन्होंने मिल प्रबंधन की ओर से किसान परिवारों के बच्चों को प्रोत्साहित करने की परंपरा और इस पहल के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों के साथ-साथ उनके बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित करना और उनकी आगे की पढ़ाई में सहयोग करना इस प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

समारोह में कलेक्टर ने सम्मानित विद्यार्थियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की और उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने शुगर मिल प्रबंधन की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि मिल प्रबंधन केवल किसानों और उनके बच्चों को प्रोत्साहित ही नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी अपनी भूमिका निभा रहा है।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों की विविध शैक्षणिक और करियर संबंधी रुचियों को सकारात्मक बताते हुए कहा कि किसान परिवारों के मेधावी बच्चों में करियर के प्रति विविधता दिखाई दे रही है, जो अच्छी बात है। हर विद्यार्थी को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में वही काम चुनना चाहिए, जिसे करने की भीतर से इच्छा हो। किसी दूसरे को देखकर उसके पीछे दौड़ने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने विद्यार्थियों को करियर चयन के दौरान आत्ममंथन करने की सलाह देते हुए कहा कि केवल यह तय करना पर्याप्त नहीं है कि किस क्षेत्र में जाना है, बल्कि यह भी सोचना चाहिए कि उस क्षेत्र में पहुंचकर वे क्या योगदान देंगे। अपने आप से यह सवाल जरूर करना चाहिए कि जिस समाज और परिवेश से वे आते हैं, भविष्य में उसके लिए क्या कर पाएंगे। शिक्षा और सफलता का वास्तविक महत्व तभी है, जब व्यक्ति अपनी उपलब्धियों के माध्यम से समाज को भी कुछ दे सके।कार्यक्रम के अंत में कलेक्टर ने सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ समूह फोटो भी खिंचवाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में बड़ी संख्या में किसान परिवारों के सदस्य और शुगर मिल का स्टाफ मौजूद रहा।

'एसपी अमित सक्सेना का नशे के काले कारोबार पर वार: सब्जी की आड़ में उगाए 2.20 लाख के पौधे जब्त, एक धराया '



यश भारत, मुलताई / बैतूल मुलताई। एसपी अमित सक्सेना के मार्गदर्शन में मुलताई पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की खेती के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने सब्जियों की फसल की आड़ में गांजे के पौधे उगाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खेत से करीब 26 किलो से अधिक के हरे पौधे जब्त किए हैं, जिनकी कीमत 2 लाख 20 हजार रुपये आंकी गई है।

घटना थाना मुलताई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बाड़ेगांव केकड़िया निवासी श्रीराम डोंगरदिये अपने खेत में सब्जियों की फसल के बीच अवैध रूप से गांजे के पौधे उगा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी के खेत में बैंगन और भिंडी की फसलों के बीच गांजे के हरे पौधे लहलहाते हुए पाए गए। विधिवत तौल करने पर जब्त किए गए गांजे के हरे और नमयुक्त पौधों का कुल वजन 26 किलो 50 ग्राम निकला। पुलिस ने आरोपी श्रीराम पिता माणिक डोंगरदिये निवासी बाड़ेगांव केकड़िया के विरुद्ध थाना मुलताई में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी विकास पटेल, उपनिरीक्षक नितिन उइके, प्रधान आरक्षक सोनू ठाकुर, आरक्षक अभिषेक वाडिवा, विवेक चौरे, मिथलेश, सत्येन्द्र पाल एवं सेवाराम की सराहनीय भूमिका रही।

एसपी अमित सक्सेना ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती और तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी ऐसी अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

आमला में सांदीपनि का दबदबा: रोमांचक फाइनल में पैराडाइज को 3-2 से हराकर जीता

यश भारत, आमला/बैतूल। आमला शासकीय सांदीपनि विद्यालय आमला के प्रांगण में अंतर विद्यालयीन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों की कुल 8 टीमों ने भाग लिया। रोमांचक मुकाबले में मेजबान शासकीय सांदीपनि विद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि पैराडाइज हायर सेकेंडरी स्कूल आमला की टीम उपविजेता रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री धीरेंद्र साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार खैरवाल, विकासखंड स्रोत समन्वयक मनीष धोटे (क्रमशः), श्री साहेब राव कोसे, श्रीमती मीनाक्षी धोटे, अजय परमार, गणेश देशमुख सहित विद्यालय के शिक्षक एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा।



प्रतियोगिता में पैराडाइज विद्यालय के कोच श्री संदीप देवड़े एवं सांदीपनि विद्यालय के कोच श्री गणेश बारस्कर ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। वहीं रेफरी की भूमिका हिमांशु बारस्कर एवं गोलू सोनपुरे ने निभाई। विद्यालय की खेल शिक्षिका सुश्री दीपिका नागर का भी आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला शासकीय सांदीपनि विद्यालय आमला एवं पैराडाइज हायर सेकेंडरी स्कूल आमला के बीच खेला गया। पांच सेटों के इस रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। कड़े संघर्ष के बाद सांदीपनि विद्यालय की टीम ने 3-2 से जीत हासिल कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री धीरेंद्र साहू ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को मेडल एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, अनुशासन, आपसी सहयोग एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना था। आयोजन का समापन उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ।दबदबा: रोमांचक फाइनल में पैराडाइज को 3-2 से हराकर जीता वॉलीबॉल खिताब '

कटनी

एक तरफ पौधरोपण का संदेश दूसरी तरफ पेड़ों का कत्ल

रीठी सी.एच.सी. में 30 साल पुराना कंजी का पेड़ काटा

कटनी, यशभारत। जिले में एक ओर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर रीठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को छांव देने वाला करीब 30 साल पुराना कंजी का पेड़ काट दिया गया। पेड़ की कटाई के बाद चबूतरा तो बचा है, लेकिन मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत देने वाली छांव गायब हो गई है। अस्पताल परिसर में यह पेड़ मरीजों और उनके परिजनों के बैठने का सहारा था। तेज धूप में लोग इसके नीचे बने चबूतरे पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते थे। अब पेड़ हटने से वहां आने वाले लोगों को धूप में बैठने की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।



किसके आदेश पर चली कुल्हाड़ी?

पेड़ कटाई को लेकर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं, क्योंकि जिला प्रशासन पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को पौधरोपण के प्रति जागरूक कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र परिसर में वर्षों पुराने पेड़ को काटने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या इसके लिए कोई तकनीकी या सुरक्षा संबंधी कारण था? क्या संबंधित अनुमति ली गई थी और क्या मरीजों की सुविधा के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई?

विभाग की चुप्पी, मरीजों की परेशानी

फिलहाल पेड़ कटाई के पीछे स्वास्थ्य विभाग का पक्ष सामने नहीं आया है। यदि पेड़ किसी आवश्यक कारण से हटाया गया है, तो विभाग को इसकी वजह सार्वजनिक करनी चाहिए। साथ ही परिसर में पौधरोपण और मरीजों के बैठने के लिए छांव की व्यवस्था करना जरूरी है। सवाल सिर्फ एक पेड़ कटने का नहीं, बल्कि अस्पताल आने वाले मरीजों की सुविधा और पर्यावरण संरक्षण के दावों के बीच संतुलन का है। अब देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में क्या जवाब देता है और मरीजों को राहत देने के लिए क्या कदम उठाता है।



पारिवारिक विवाद से वित्तीय धोखाधड़ी तक की शिकायतें

पुलिस अधिकारियों ने किया शिकायतों का निराकरण

कटनी, यशभारत। आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से एसपी ऑफिस में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों की शिकायतें गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं तथा संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार की शिकायतें सामने आईं। इनमें पारिवारिक एवं पड़ोस संबंधी विवाद, दस्तावेजों का दुरुपयोग कर ऋण लेने की धोखाधड़ी, पैसों के लेन-देन से जुड़े मामले, मकान और दुकान पर अवैध कब्जाए महिला द्वारा ब्लैकमेलिंगए वित्तीय धोखाधड़ीए पुलिस द्वारा सुनवाई नहीं किए जाने की शिकायतें तथा प्लॉट एवं भूमि विवाद शामिल रहे। इसके अलावा महिला अपराध सहित अन्य पुलिस संबंधी प्रकरण भी अधिकारियों के समक्ष रखे गए। पुलिस अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों की जांच कर शीघ्र निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने पर जोर दिया गयाए ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। जनसुनवाई में एएसपी कमल मौर्य, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेंद्र धार्वे, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, डीएसपी अनिमेष द्विवेदी उपस्थित रहे।

युवा उत्सव में छात्राओं ने दिखाई साहित्यिक प्रतिभा



प्रश्न मंच, वाद-विवाद और वक्तृता प्रतियोगिताओं में भारतीय ज्ञान परंपरा पर रखे विचार

कटनी,यशभारत। शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में युवा उत्सव के द्वितीय दिवस साहित्यिक विधा की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रश्न मंच में भारतीय ज्ञान परंपरा, वाद-विवाद में आधुनिक शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान परंपरा की अनिवार्यता तथा वक्तृता में 'वसुधैव कुटुम्बकम् : वैश्विक शांति और बंधुत्व के लिए भारतीय दर्शन' विषय पर छात्राओं ने विचार रखे।प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी बौद्धिक क्षमता, तार्किक चिंतन और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया। आयोजन का उद्देश्य छात्राओं में साहित्यिक अभिरुचि और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।



छह गांवों से निकली ग्राम तीर्थ यात्रा

दीप यज्ञ और भंडारे के साथ समापन

कटनी,यशभारत। अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला द्वारा रविवार को आयोजित ग्राम तीर्थ यात्रा छह गांवों से होते हुए खड़ौला खेरमाई मंदिर पहुंची। यहां विशाल दीप यज्ञ के बाद भंडारे के साथ यात्रा का समापन हुआ। सुंगरहा से शुरू हुई यात्रा में सुसज्जित बैलगाड़ी को रथ का स्वरूप दिया गया। इसमें गुरुजी, माताजी और गायत्री माता की प्रतिमाएं स्थापित की गईं। राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान और गायत्री माता के स्वरूप में बाल कलाकारों ने आध्यात्मिक संदेश दिया। ग्रामीणों ने 20 स्थानों पर आरती, पुष्पवर्षा, रंगोली और अन्नदान से यात्रा का स्वागत किया। माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी वर्ष के तहत आयोजित यात्रा का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में नवरात्रि समूह साधना की ऊर्जा को जनजागरण और गायत्री परिवार के विचारों के प्रसार में नियोजित करना रहा।

6 व्यवसायियों को जारी किया नोटिस

निर्धारित मानकों की अनदेखी एवं खुले में विक्रय से जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव को लेकर निगम प्रशासन की कार्यवाही



कटनी,यशभारत। नगर में स्वच्छता व्यवस्था एवं नागरिकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन ने खुले में अवैध एवं अस्वास्थ्यकर तरीके से मांस-मछली का विक्रय करने वाले दुर्गा चौक तिलक कॉलेज मोड़ के 6 व्यवसायियों के विरुद्ध सख्ती बरतते हुए संबंधित विक्रेताओं को खुले में मांस-मछली का विक्रय तत्काल बंद करने का नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य अधिकारी निशांत कनोजिया द्वारा जारी नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि बिना वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) एवं निर्धारित स्वच्छता मानकों का पालन किए बिना मांस-मछली का विक्रय किया जाना नियम विरुद्ध है। विशेष रूप से अपारदर्शी कांच अथवा जाली से ढके बिना खुले में मांस-मछली का प्रदर्शन एवं विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस तरह की गतिविधियों से आसपास गंदगी, दुर्गंध एवं मक्खियों का प्रकोप बढ़ने के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। निगम प्रशासन ने संबंधित विक्रेताओं को नोटिस प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर खुले में किए जा रहे मांस-मछली के अवैध विक्रय को तत्काल बंद करने तथा स्थल से संबंधित अतिक्रमण एवं सामग्री स्वयं हटाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समयावधि में निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध अर्थदंड, सामग्री की जब्ती एवं न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

अजब गजब है ,जिला प्रशासन, सिर्फ आनंद लो ओर सत्ता और पद के मजे लो

जिले में कैसे कैसे फटाखे फोड़ रहे हैं, जवाब दार विभाग

परेश मसीह

नर्मदापुरम (यश भारत) नर्मदापुरम शांत जिला हैं, कह कह कर उसे इतना शांत कर दिया, हैं शहर की जरूरतों पर ध्यान देने वाला ही कोई नहीं, अधिकारी आ रहे हैं जा रहे हैं कलेक्टर आये चले गए, एस पी आए चले गए, कमिश्नर आए चले गए, जब तक अधिकारी जिले की तासीर समझ पाते , बदल दिए गए, आज जिले में दर्जन भर से ज्यादा आला अधिकारी बैठे हैं, सत्ताधारी पार्टी के विधायक, सांसद ,नगरपालिका, नगर परिषद, जिला पंचायत, जनपद, सरपंच तमाम ऐसे पदों, राजनीतिक जनप्रतिनिधि एक ही पार्टी के बैठे है, पर जिले की जनता, खाद्य के लिए परेशान हैं, बीज के लिए पोर्टल के चक्कर काट रही हैं द्य



फुस्सी बम

अगर शहरी क्षेत्र की बात करे तो, जिला मुख्यालय... नहीं इसे संभागीय मुख्यालय कहे, तो बेहतर होगा, जहां मुख्य बाजार की सड़के नहीं सुधार पा रहे हैं, मजाक तो तब बनता हैं, जनसंपर्क विभाग के कर्मचारी रोज निर्देशों का प्रेस नोट जारी करते हैं, कलेक्टर ने निर्देश दिए, कमिश्नर ने निर्देश दिए, दो कलेक्टर बदला गए एक ही विभाग को सड़क मरम्मत के निर्देश देते , और दो कमिश्नर बदला गए पर मजाल किसी ने सड़क के गड्ढे भी भरें हो, मीडिया भी कई बार सड़कों की हालत पर लिख चुका पर मजाल हैं, की किसी जवाबदार विभाग को जू भी रेंगी हो !

दिखावटी बम

अभी हाल में कुछ विभाग जिले में,सुर्खिया बटोर रहे हैं, खाद्य विभाग,नकली सामग्री पकड़ रहा हैं ,साल भर आराम करता हैं ,त्योहारों पर दुकानदारों को डरता हैं कार्यवाही के नाम पर, सेम्पल राज्य प्रयोग शाला भेज देता हैं,मिलावटी सामान, भी इन्हें त्योहारों पर ही दिखता हैं, और सबसे बड़ा चर्चा का विषय शराब माफिया, पिछले एस पी से लेकर वर्तमान एस पी तक सिर्फ शराब पकड़ी जा रही, रोज जितनी पकड़ते हैं दूसरी दिन फिर उतनी ही शराब मिलती हैं, आखिर शराब माफिया न पुलिस से डर रहा हैं न आबकारी विभाग से डर रहा हैं, इतने दिनों में तो इन माफियों में डर बैठ जाना था, एक और विभाग का भी जिक्र जरूरी हैं वह हैं खनिज विभाग, वाह जी क्या कार्यवाही कर रहा और करता जा रहा हैं, रोज पकड़ते हैं रोज छोड़ते हैं, रोज पकड़ते हैं,रोज छोड़ते हैं, ड्यूटी की ड्यूटी, और खेल का खेल, कठोर कार्यवाही क्यों नहीं हो पाती, माननीय न्यायालय में प्रकरण पहुंचता हैं, और केस की कमजोर कड़ी सामने आ जाती हैं और रेत माफिया छूट जाते हैं, तीसरा विभाग हैं नापतोल विभाग इनके मुखिया अधिकारी हमेशा फील्ड पर रहते हैं पर काम क्या करते ये गोपनीय रहता हैं, इस विभाग की पॉलिसी हैं कार्य गोपनीयता से करते हैं, मिलने जाओ तो मिलते नहीं, फोन लगाओ उठते नहीं, इनके सारे नियम, सूचना के अधिकार के तहत मांगने पड़ते हैं, बाकी नगर पालिका पर कुछ कहना उचित नहीं होगा इनसे तो राज्य स्तर पर ही बात की जा सकती, क्योंकि इनके मामले लोकयुक्त, और ई डी इससे नीचे बात नहीं करते, और ना किसी से डरते हैं;धमकी और देते हैं जो बने सो करले । कुलमिलाकर दिवाली का त्यौहार हैं , सभी को खुशिया दे, और जनता भी परिस्थिति का आनंद ले, एक बात जरूर लोगो को शिवराज मामा की याद आ गई उनके दौरे से कम से सड़के ठीक हो जाती थी, जिले के अधिकारी थोड़े चटक तो रहते थे, लोग याद कर बम तो फोड़ ही ले रहे हैं, विपक्ष भी सुस्त बैठा हैं, मुद्दों का इंतजार कर रहा हैं, इटारसी बस का मामला था उसकी भी हवा निकल ही गई हैं द्य यह महज एक चर्चा हैं जो लोग चौक चौराहों पर बैठ कर फटाखे फोड़ रहे हैं।

50 हजार रूपए की स्मैक सहित दो आरोपी गिरफ्तार

नर्मदापुरम/ पिपरिया, यशभारत।

जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी आशीष पवार के कुशल नेतृत्व में मंगलवारा पिपरिया थाना टी आई आदित्य सेन, स्टेशन रोड थाना प्रभारी महेंद्र सिंह बघेल और उनकी टीम ने एन डीपीएस एक्ट के तहत दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 13.54 ग्राम अवैध स्मैक जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि थाना पिपरिया क्षेत्र अंतर्गत मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस के द्वारा शास्त्री वार्ड के एक खंडहर मकान के पास घेराबंदी कर संदिग्ध आरिफ पिता हबीब खान निवासी- शास्त्री वार्ड, पिपरिया को पकड़ा । आरोपी की तलाशी लेने पर पास से एक पॉलीथीन में भूरे रंग का पाउडर जो तस्दीक करने पर अवैध मादक पदार्थ (स्मैक) कुल वजन 06 ग्राम होना पाया गया। जिस पर उसके विरुद्ध थाना पिपरिया में अपराध क्रमांक 502/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पूछताछ में आरोपी के द्वारा एक अन्य सहयोगी के बारे में बताया जो कि थाना स्टेशन रोड पिपरिया क्षेत्र अंतर्गत रेलवे स्टेशन पोल गोदाम के पास सुनसान इलाके में अवैध मादक पदार्थ बेचने की फिराक में घूम रहा था। जिस पर से थाना स्टेशन रोड पिपरिया पुलिस द्वारा बताए स्थान पर दबिश देकर संदिग्ध शाहरुख उर्फ बुटना खान पिता नईम खान निवासी गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर को पकड़ा गया। आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से एक पॉलीथीन में भूरे रंग का पाउडर जो कि तस्दीक करने पर अवैध मादक पदार्थ (स्मेक) कुल वजन 7.54 ग्राम होना पाया गया। इस मामले में आरोपी के विरुद्ध थाना स्टेशन रोड पिपरिया में अपराध क्रमांक 446/2026, धारा 8/21 एनडी पीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस प्रकार दोनों आरोपियों से कुल 13.54 ग्राम अवैध मादक पदार्थ कुल कीमत 50,000 रु. जप्त करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे अवैध मादक पदार्थ (स्मैक) के स्त्रोतों एवं इसके क्रय-विक्रय में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के बारे में सघन पूछताछ की जा रही है।

पिपरिया में दो थानों की पुलिस ने दो आरोपियों से कुल 13.54 ग्राम स्मैक जब्त की





ट्रेन से गांजा लेकर बेचने आए युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया

नर्मदापुरम, यशभारत।

जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी जितेंद्र पाठक के कुशल नेतृत्व में कोतवाली टी आई गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने 10.930 कि.ग्रा गांजा जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रेलवे स्टेशन नर्मदापुरम के बीटीआई की ओर के आउटर के पास रेलवे पटरी के किनारे संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर विधिवत तलाशी लेने पर उसके पास रखी पीले रंग की प्लास्टिक की बोरी से 10.930 कि.ग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ।जिसे मौके पर विधिवत जप्त किया गया।संदेही ने अपना नाम राजू पिता मांगे राम उम्र 43 वर्ष निवासी राम बाग रोड, भैरो की सेर,कालका,जिला पंचकुला (हरियाणा) बताया। आरोपी राजू के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 1054/2026 धारा 8/20 एन.डी.पी. एस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । गांजा कहाँ से लाया गया एवं किसे बेचा जाना था, इस संबंध में अग्रिम विवेचना जारी है।जप्त मशरूका 10.930 कि.ग्रा अवैध मादक पदार्थ गांजा, कीमती 2,73,250/- रुपये बताई गई हैं।



पथरौटा पुलिस ने युवक से जब्त किया 750 ग्राम अवैध गांजा



नर्मदापुरम, यशभारत । जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में पथरौटा थाना प्रभारी सुरेखा निमोदा ओर उनकी टीम के द्वारा 750 ग्राम अवैध गांजा जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस इटारसी के आयुध निर्माणी के पास चादौन रोड पर से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से एक सफेद रंग के प्लास्टिक के झोले में रखी सफेद रंग की प्लास्टिक की पन्नी में अवैध मादक पदार्थ गांजा 750 ग्राम कुल कीमती 15000 रुपये जब्त किया ।आरोपी से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम रामकुमार उर्फ बिचले पिता मेघश्याम जाति कुर्मी उम्र 48 साल निवासी ग्राम चादौन थाना पथरौटा होना बताया।आरोपी को गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। प्रकरण में आरोपी से माल लाने के संबंध पूछताछ कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी पथरौटा निरीक्षक सुरेखा निमोदा, सउनि कल्लू धुर्वे, प्रआर. दीपक जनोरिया, प्रआर दिनेश उइके, आर. धीरज राठौर, आर. धर्मेन्द्र कुचबंदिया, आर चालक जय प्रकाश पाठे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षक की हरकत से शर्मसार हुआ शिक्षा जगत

इटारसी(यश भारत)

रानीपुर प्राथमिक शाला में एक शिक्षक द्वारा मासूम छात्राओं के साथ की गई अशोभनीय हरकत का मामला सामने आया है। आरोप है कि शिक्षक ने मोबाइल पर छात्राओं को आपत्तिजनक वीडियो दिखाया और उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा ओर उक्त शिक्षक की जमकर पिटाई कर दी। घटना कि जानकारी लगते ही मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों द्वारा उक्त शिक्षक को हिरासत में ले लिया।

शिक्षक की हरकत -आदिवासी विकासखण्ड केसला अंतर्गत आने वाले रानीपुर प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक पिछले कई दिनों से स्कूल की छात्राओं के साथ अभद्रता कर रहा था। शिक्षक की इस हरकत पर परिजनो द्वारा उसे पूर्व में समझाइश दी गई थी लेकिन उसमें कोई सुधार नहीं आया। गुरुवार को उक्त शिक्षक रोज की तरह स्कूल



पहुंचा और छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाने के साथ ही गलत व्यवहार करना शुरू कर दिया। घटना के बाद छात्राओं ने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना बताई। इसके बाद बड़ी संख्या में परिजन स्कूल पहुंच गए और शिक्षक के खिलाफ जमकर हंगामा किया। गुस्साए परिजनों ने शिक्षक की पिटाई भी कर दी। स्कूल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

पुलिस ने की कार्यवाही -सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में ले लिया है। बताया जाता हे शिक्षक स्कूल से भाग गया था जिसे बाद में पुलिस ने हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। छात्राओं के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और आरोपी शिक्षक से भी पूछताछ की जा रही है। शिक्षा विभाग को भी मामले की जानकारी दे दी गई है। शासकीय प्राथमिक शाला तवानगर रानीपुर, विकासखंड केसला में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक अजय मेहरा को गंभीर आरोपों के चलते सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग नर्मदापुरम द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

विद्यार्थियों का आधार बायोमेट्रिक

अपडेट कराना जरूरी

नर्मदापुरम(यश भारत) बच्चों की आधार पहचान को सुरक्षित और अद्यतन बनाए रखने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) द्वारा निर्धारित आयु में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU) कराना जरूरी है। इसके तहत बच्चों का पहला बायोमेट्रिक अपडेट 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर तथा दूसरा अपडेट 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर कराया जाना अनिवार्य है। जन्म से 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का आधार बनाते समय फोटो एवं जनसांख्यिकीय विवरण दर्ज किए जाते हैं। इस आयु में बच्चों के फिंगरप्रिंट और आंखों की आइरिस का बायोमेट्रिक विवरण दर्ज नहीं किया जाता है। 5 वर्ष की आयु पूरी होने पर प्रथम अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU-1) के दौरान बच्चे का नया फोटो, 10 उंगलियों के फिंगरप्रिंट और दोनों आंखों की आइरिस दर्ज की जाती है। इसी प्रकार 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर द्वितीय अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (MBU-2) के अंतर्गत फोटो, फिंगरप्रिंट और आइरिस को पुनः अपडेट किया जाता है। बायोमेट्रिक अपडेट के दौरान बच्चों का आधार नंबर वही रहता है। अपडेट के बाद नया आधार नंबर जारी नहीं किया जाता है। यह प्रक्रिया केवल आधार कार्ड में फोटो बदलने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बच्चे के फिंगरप्रिंट और दोनों आंखों की आइरिस का पहली बार पंजीकरण अथवा पुनः पंजीकरण भी किया जाता है।

पदोन्नति प्राप्त वनकर्मियों का पदोन्नति अलंकरण समारोह में किया गया सम्मान





नर्मदापुरम, यशभारत। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में वन विभाग के मैदानी अमले के उत्साहवर्धन एवं उनके सेवाभाव को सम्मानित करने के उद्देश्य से आज पदोन्नति अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हाल ही में वनरक्षक से वनपाल तथा वनपाल से उप वन क्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले 24 वनकर्मियों को सम्मानित किया गया।इस अवसर पर क्षेत्र संचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व एवं उप संचालक सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व द्वारा पदोन्नत हुए सभी कर्मचारियों की यूनिफार्म में स्टार लगाकर उनके उत्कृष्ट सेवाकाल, कर्तव्यनिष्ठा एवं वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

पुलिस ने अवैध पटाखो के भंडारण पर कार्यवाही कर 30 हजार के पटाखे जब्त किये



नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी वीरेन्द्र मिश्रा के कुशल नेतृत्व में इटारसी टी आई सौरभ पांडे और उनकी टीम ने 30 हजार रूपए के अवैध फटाखे जब्त कर कार्यवाही की। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम मौथियां साकेत में नितिन चौधरी पिता रवीशंकर चौधरी के घर से भारी मात्रा में अवैध पटाखे जब्त किए। पुलिस द्वारा नितीन चौधरी से उक्त पटाखे के वैध दस्तावेज के संबंध में पुछताछ की गई जो कोई दस्तावेज मौके पर पेश नही कर पाया । जिसके आधार पर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी के घर से 06 कार्टुन अवैध पटाखे कीमती 30000 रूपये के जप्त कर अपराध क्रं. 1087/2026 धारा 288 बीएनएस का पंजीवद्ध किया गया है।

सड़क सुरक्षा के लिए ट्रॉलियों पर लगाए गए रेडियम

कृषि उपज मंडी परिसर शिवपुर में 100 किसानों को दिया गया सीपीआर प्रशिक्षण

नर्मदापुरम / सिवनीमालवा, यशभारत।

कृषि उपज मंडी परिसर शिवपुर में आयोजित जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में आए लगभग 100 किसानों को डॉ. सुरेन्द्र कौशल आयुष चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शिवपुर द्वारा सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया।इस दौरान डॉ.सुरेन्द्र कौशल ने किसानों को हृदय गति एवं सांस रुकने जैसी आपात कालीन परिस्थितियों में सीपीआर देने की विधि समझाई तथा बताया कि समय पर सही तरीके से सीपीआर देने से किसी



व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।उन्होंने किसानों को व्यावहारिक रूप से सीपीआर की प्रक्रिया भी समझाई।कार्यक्रम में थाना प्रभारी के.एन. रजक विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों की ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर चस्पा करवाए, जिससे रात के समय दूर से ही ट्रॉलियां दिखाई दे सकें और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई

नर्मदापुरम, यशभारत।

ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह के अंतर्गत सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई।इस अवसर पर उपस्थित पर्यटकों एवं अन्य प्रतिभागियों को प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनावश्यक विद्युत उपकरणों एवं लाइटों को बंद रखने, बिजली की खपत कम करने तथा ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के



माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण केवल सामूहिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति का व्यक्तिगत दायित्व भी है। दैनिक जीवन में छोटे-छोटे व्यवहारगत परिवर्तन अपनाकर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ऊर्जा की बचत तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।सतपुड़ा टाइगर रिजर्व द्वारा इस पहल के माध्यम से पर्यटकों एवं आमजन में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने तथा प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संदेश प्रसारित किया गया।

शासन का दावा, जल्द मिलेगी जनता की सौगात, कैसी होगी नए भवन में व्यवस्थाएं

शीघ्र बनकर तैयार होगा नया जिला अस्पताल भवन

नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने नर्मदापुरम जिला मुख्यालय स्थित निर्माणाधीन जिला अस्पताल परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल भवन के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, विभिन्न कक्षों में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं एवं अन्य निर्माण कार्यों का विस्तृत जायजा लिया। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने तथा अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कैसे होंगे प्रवेश द्वार

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक में एम्बुलेंस के सुगम प्रवेश एवं निकास की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ईसीजी कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य कराने को कहा। साथ ही, जिन कक्षों में अभी तक केंद्रीकृत वातानुकूलन व्यवस्था क्रियाशील नहीं हुई है, वहां सेंट्रलाइज्ड एयर कंडीशनिंग की सुविधा शुरू करने



के निर्देश दिए।

अग्नि सुरक्षा पर विशेष ध्यान - कलेक्टर ने अस्पताल की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए स्मोक डिटेक्टर के माध्यम से फायर टेस्टिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीयन कक्ष में खिड़की की व्यवस्था करने तथा एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। सीटी स्कैन मशीन के लिए अलग से निर्धारित विद्युत स्विच उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

रखरखाव पर जोर

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने लिफ्ट का वारंटी अवधि के दौरान नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने, एचडीयू वार्ड की खिड़कियों में रबर की उचित फिटिंग कराने तथा रैम्प पर फिक्स्ड ग्लास के स्थान पर स्लाइडिंग विंडो लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) के लिए स्पष्ट चिन्ह अस्पताल परिहार में स्थापित करने के निर्देश दिए।

गुणवत्ता पर ध्यान

कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल भवन में मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी निर्माण एवं सुधार कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन, सीएमएचओ डॉ. नरसिंह गेहलोत, सिविल सर्जन डॉक्टर सुनीता कांबले, आरएमओ गजेंद्र यादव सहित निर्माण एजेंसी के सदस्य एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

न पीवी सिंधु, न साइना नेहवाल, तन्वी पत्री ने रचा इतिहास, यूथ ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं



नई दिल्ली,यशभारत। भारत की 15 वर्षीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी पत्री ने यूथ ओलंपिक में इतिहास रच दिया है। ओडिशा की इस होनहार शटलर ने डकार में आयोजित यूथ ओलंपिक गेम्स के बैडमिंटन फाइनल में रजत पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक के बैडमिंटन मुकाबले में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उनकी इस उपलब्धि को भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। खास बात यह है कि जिस मुकाम तक पीवी सिंधु और साइना नेहवाल जैसी दिग्गज भारतीय खिलाड़ी भी नहीं पहुंच सकीं, वहां तन्वी ने कम उम्र में अपनी प्रतिभा और जुझारूपन से इतिहास बना दिया।

गुरुवार को खेले गए फाइनल में तन्वी का सामना चीन की झांग यी शिन से हुआ। तीन गेम तक चले इस रोमांचक मुकाबले में तन्वी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-15 से जीत लिया। हालांकि दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने वापसी की और 21-13 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इसके बाद तीसरे और निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला।

तीसरे गेम में एक समय तन्वी 10-19 से पिछड़ रही थीं और चीनी खिलाड़ी की जीत लगभग तय मानी जा रही थी। लेकिन तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक हासिल करते हुए मुकाबले में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने पांच मैच पॉइंट बचाकर मैच को बेहद रोमांचक बना दिया। इतना ही नहीं, तन्वी ने तीन गोल्ड मेडल पॉइंट भी हासिल किए, लेकिन उन्हें जीत में तब्दील नहीं कर सकीं। आखिरकार झांग यी शिन ने 26-24 से तीसरा गेम जीतकर 15-21, 21-13, 26-24 के अंतर से मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस तरह तन्वी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल तक शानदार रहा सफर

तन्वी का यूथ ओलंपिक तक का सफर भी शानदार रहा। ग्रुप चरण में उन्होंने मेक्सिको की सारा गोंजालेज और ऑस्ट्रेलिया की स्मृति अडेपू को सीधे गेमों में हराया। इसके बाद दक्षिण कोरिया की जिओंग यू चांग को शिकस्त देकर नॉकआउट दौर में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की कुंगकाउ काकानिक को 21-17, 21-13 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह यूथ ओलंपिक बैडमिंटन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।सेमीफाइनल में तन्वी के सामने जापान की युजुनो वातानाबे की चुनौती थी। करीब 54 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने धैर्य और आक्रामक खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 21-14, 21-11, 21-19 से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।महज 15 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस तरह का प्रदर्शन तन्वी की प्रतिभा, आत्मविश्वास और मजबूत इच्छाशक्ति को दर्शाता है। भले ही वह स्वर्ण पदक जीतने से चूक गईं, लेकिन उनका रजत पदक भारतीय बैडमिंटन के भविष्य के लिए नई उम्मीद बनकर सामने आया है।

आईपीएल में रिटेंशन पर 40 करोड़ की मांग

टूट सकता है ऋषभ पंत का 27 करोड़ का रिकॉर्ड



मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजी और दिग्गज खिलाड़ियों के बीच रिटेंशन को लेकर खींचतान तेज हो गई है। कुछ शीर्ष खिलाड़ियों ने अपनी टीमों के सामने रिटेन होने के लिए 40 करोड़ रुपए तक की मांग रखकर फ्रेंचाइजी की चिंता बढ़ा दी है। यदि किसी टीम ने इस मांग को स्वीकार कर लिया तो आईपीएल इतिहास में खिलाड़ी को मिलने वाली सबसे बड़ी रकम का नया रिकॉर्ड बन जाएगा। फिलहाल यह रिकॉर्ड विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के नाम है, जिन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। ऐसे में 40 करोड़ रुपए की मांग मौजूदा रिकॉर्ड से सीधे 13 करोड़ रुपए अधिक है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ बड़े खिलाड़ियों ने अपनी रिटेंशन फीस को लेकर फ्रेंचाइजी को स्पष्ट संकेत दिए हैं। हालांकि, इन खिलाड़ियों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। माना जा रहा है कि जिन खिलाड़ियों को अपनी लोकप्रियता, प्रदर्शन और बाजार में मांग के आधार पर बड़ी बोली मिलने की उम्मीद है, वे रिटेंशन के बजाय अपनी कीमत को लेकर टीमों पर दबाव बना सकते हैं। यदि फ्रेंचाइजी उनकी मांग मानती हैं तो टीमों के बजट और अन्य खिलाड़ियों को अपने साथ बनाए रखने की रणनीति पर भी असर पड़ सकता है।

मेगा ऑक्शन से पहले कीमत बढ़ाने का मौका

आईपीएल 2027 का मिनी ऑक्शन मौजूदा नीलामी चक्र का आखिरी मिनी ऑक्शन होगा। इसके बाद आईपीएल 2028 से पहले मेगा ऑक्शन आयोजित किया जाना है। ऐसे में खिलाड़ियों के पास अपनी बाजार कीमत बढ़ाने और फ्रेंचाइजी के सामने बेहतर आर्थिक शर्तें रखने का यह अहम मौका माना जा रहा है। मिनी ऑक्शन में टीमों को सीमित खिलाड़ियों की जरूरत होती है, जबकि मेगा ऑक्शन में उन्हें अपनी टीम का बड़ा हिस्सा नए सिरे से तैयार करना पड़ता है। यही वजह है कि कई बड़े खिलाड़ी इस समय अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में जुटे हैं।

120 करोड़ से बढ़कर 150 करोड़ हो सकता है पर्स

फिलहाल प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास खिलाड़ियों की खरीद के लिए 120 करोड़ रुपए का पर्स उपलब्ध है। रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल 2028 के मेगा ऑक्शन से पहले इसे बढ़ाकर करीब 150 करोड़ रुपए किया जा सकता है। ऐसा होने पर टीमों को खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए अतिरिक्त 30 करोड़ रुपए मिलेंगे। हालांकि, खिलाड़ियों की बढ़ती मांग के बीच फ्रेंचाइजी को अपने बजट का संतुलन बनाए रखना भी बड़ी चुनौती होगी।

17 नवंबर तक देनी होगी रिटेंशन सूची

आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजी को अपने रिटेन और रिलीज किए जाने वाले खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है। इसके लिए समयसीमा 15 नवंबर से बढ़ाकर 17 नवंबर कर दी गई है। वहीं, खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में आयोजित की जाएगी। रिटेंशन सूची जारी होने के बाद आईपीएल की ओर से पंजीकृत खिलाड़ियों का पूल फ्रेंचाइजी को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद टीमें अपनी जरूरत के मुताबिक खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट करेंगी।

पंत समेत बड़े खिलाड़ियों के ट्रेड से बढ़ी हलचल

मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों के ट्रेड ने भी आईपीएल का बाजार गर्म कर दिया है। दिल्ली कैपिटल्स ने ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स से वापस अपनी टीम में शामिल किया है। इस ट्रेड में बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव लखनऊ की टीम में पहुंचे हैं।

इसके अलावा दिल्ली ने तेज गेंदबाज टी नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद के साथ ट्रेड किया है, जिसके बदले उसे लेग स्पिनर जीशान अंसारी मिले हैं। अब सबकी निगाहें 17 नवंबर को जारी होने वाली रिटेंशन सूची पर टिकी हैं। इससे साफ होगा कि कौन से बड़े खिलाड़ी अपनी पुरानी टीमों के साथ बने रहेंगे और किन खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला नीलामी में होगा।

केवीएस-1 एसटीसी और लियोनार्ड सेमीफाइनल में

जबलपुर। यशभारत। जिला फुटबॉल संघ जबलपुर के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड सदर में आयोजित इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत गुरुवार को खेले गए मुकाबलों में केवीएस-1 एसटीसी और लियोनार्ड स्कूल ने शानदार जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दोनों ही टीमों ने एकतरफा मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को करारी शिकस्त दी।



प्रतियोगिता का पहला मुकाबला केवीएस-1 एसटीसी और स्मॉल वंडर स्कूल के बीच खेला गया। मैच प्रारंभ होने से पहले मुख्य अतिथि जबलपुर के अध्यक्ष श्री रिंकू ब्रिज का खिलाड़ियों से परिचय कराया गया। इस अवसर पर डॉ. आलोक चंसौरिया भी उपस्थित रहे। मुकाबले की शुरुआत से ही केवीएस-1 एसटीसी के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और लगातार गोल करने के प्रयास किए। टीम ने पांचवें मिनट में पहला गोल दागकर बढ़त बनाई। इसके बाद 23वें मिनट में दूसरा, 30वें मिनट में तीसरा और 34वें मिनट में चौथा गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 4-0 कर दिया। मध्यांतर के बाद स्मॉल वंडर स्कूल ने वापसी की कोशिश की, लेकिन केवीएस के मजबूत खेल के सामने उसकी एक न चली। केवीएस-1 एसटीसी ने 40वें, 45वें, 47वें, 50वें और 60वें मिनट में पांच और गोल दागे। इस तरह टीम ने 9-0 के बड़े अंतर से मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

दिन का दूसरा मुकाबला लियोनार्ड स्कूल और बिट्स स्कूल के बीच खेला गया। दोनों टीमों के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से यह मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। लियोनार्ड स्कूल ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए 12वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद 15वें और 18वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर बढ़त मजबूत कर ली। बिट्स स्कूल के खिलाड़ी रक्षात्मक खेल में उलझे रहे। लियोनार्ड स्कूल ने 20वें मिनट में चौथा, 25वें मिनट में पांचवां, 30वें मिनट में छठा और 33वें मिनट में सातवां गोल कर मध्यांतर तक स्कोर 7-0 कर दिया। मध्यांतर के बाद दोनों टीमों ने गोल करने के प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम सफलता हासिल नहीं कर सकी। अंततः लियोनार्ड स्कूल ने 7-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

नेशनल मेडलिस्ट वूशु खिलाड़ियों और कोच का सम्मान,तान्या जाटव को एसएसबी में मिली सरकारी

जबलपुर। यशभारत। चेन्नई में आयोजित 25वीं जूनियर नेशनल वूशु चैंपियनशिप में पदक जीतकर मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का जबलपुर लौटने पर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। रानीताल स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वूशु अकादमी में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के साथ अंतरराष्ट्रीय वूशु कोच मनोज गुप्ता का भी सम्मान किया गया। इस दौरान खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और अभिभावकों ने पदक विजेताओं का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनकी उपलब्धियों पर खुशी जताई।चेन्नई में 28 अक्टूबर से 2 नवंबर 2026 तक आयोजित प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले वीर सिंह राजपूत, प्रियांशी चौहान और नंदिनी पटेल को सम्मानित किया गया। समारोह का विशेष आकर्षण अंतरराष्ट्रीय वूशु खिलाड़ी तान्या जाटव रहीं, जिन्हें सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में खेल कोटे से शासकीय नौकरी मिलने पर सम्मानित किया गया। रानीताल वूशु अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली तान्या आगामी 1 दिसंबर से उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित एसएसबी में अपनी सेवाएं प्रारंभ करेंगी समारोह में मध्य प्रदेश वूशु संघ के अध्यक्ष जयदीप प्रसाद (आईपीएस), डॉ. जितेंद्र जामदार, नितिन भाटिया, डॉ. मुकेश जायसवाल, सुरेंद्र सिंह, प्रदीप परिहार, योगेंद्र तिवारी और मुकेश नवेरिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पदक विजेता खिलाड़ियों, कोच मनोज गुप्ता और तान्या जाटव को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।



रंग संसार



सिल्वर स्क्रीन पर कई हीरोइनों के साथ रोमांस कर चुके हैं शाहरुख खान

मुंबई (यशभारत)। अपने दशकों लंबे करियर में सुपरस्टार शाहरुख खान ने सिल्वर स्क्रीन पर कई हीरोइनों के साथ रोमांस किया है। चाहे काजोल हो या दीपिका पादुकोण, शाहरुख के साथ हर हीरोइन की जोड़ी ने सिनेमाप्रेमियों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री पर दर्शक आज तक बेशुमार प्यार लुटाते हैं। शाहरुख खान आज 61 साल के हो चुके हैं। उनके जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर, आइए एक नजर डालते हैं शाहरुख खान की उन सात यादगार ऑनस्क्रीन जोड़ियों पर, जिन्होंने अलग-अलग दशकों में बड़े पर्दे पर प्यार की अनोखी दास्तां रची है और दर्शकों का दिल जीता है। बॉलीवुड में शायद ही कोई ऐसी ऑनस्क्रीन जोड़ी हो, जिसने शाहरुख और काजोल जैसा जादू बिखेरा हो। 1993 में बाजीगर से शुरू हुआ यह सफर दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों तक पहुंचा। पर्दे पर उनका नोक-झोंक भरा अंदाज, गहरे इमोशनल सीन और सुरीले गानों ने दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया।

साल 2015 में आई फिल्म दिलवाले में जब दोनों दोबारा साथ आए, तो पुरानी यादें फिर से ताजा हो गईं। शाहरुख खान और जूही चावला की जोड़ी जब भी बड़े पर्दे पर आई, एक अलग ही ताजगी और मिठास लेकर आई। यश बॉस, डुप्लीकेट और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी जैसी फिल्मों में उनकी कमाल की कॉमिक टाइमिंग और सहज रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली।

मैं बिकिनी पहनूंगी, किसी के बाप का क्या जा रहा है- सोनारिका

मुंबई (यशभारत)। मशहूर टीवी एक्ट्रेस सोनारिका भदौरिया द्वारा सालों पहले बिकिनी में अपनी तस्वीरें साझा करने पर भयंकर ट्रोलिंग का शिकार होने के बाद अब इस पूरे विवाद पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने ट्रोलर्स को बेहद सख्त लहजे में जवाब दिया है। देवों के देवज्महादेव में मां पार्वती का किरदार निभाकर घर-घर में मशहूर हुई सोनारिका ने साफ कहा है कि उन्हें अपनी पसंद के कपड़े पहनने के लिए किसी को सफाई देने की जरूरत नहीं है। सोनारिका ने बेबाक अंदाज में कहा, मैं बिकिनी पहनूंगी। किसी के बाप का क्या जा रहा है। यह पूरा मामला साल 2016 का है, जब सोनारिका मॉरीशस वेकेशन पर गई थीं और वहां से उन्होंने बिकिनी में कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। इन तस्वीरों के सामने आते ही सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया जाने लगा। लोगों ने उनके लिए संस्कारहीन और बेशर्म जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया, और कई यूजर्स ने अश्लील और भद्दे कमेंट भी किए थे। एक्ट्रेस ने बताया कि जब यह ट्रोलिंग हुई, तब देवों के देवज्महादेव शो खत्म हो चुका था। इसके बाद भी वह कई सीरियल में काम कर चुकी थीं, लेकिन लोग उनका इंटरव्यू सिर्फ इस सवाल के लिए लेना चाहते थे कि पार्वती का रोल करने वाली एक्ट्रेस बिकिनी कैसे पहन सकती है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में पहुंची सोनारिका ने इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह आज भी बिकिनी पहनने से पीछे नहीं हटेंगी, और उन्हें यह सफाई क्यों देनी चाहिए कि उनके पति या पिता को उनके कपड़ों से कोई परेशानी नहीं है। एक्ट्रेस के अनुसार, असल बात यह है कि उन्हें खुद बिकिनी पहनने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने इस सोच पर सवाल उठाया कि किसी शो में किरदार निभाने का मतलब यह नहीं है कि असल जिंदगी में भी इंसान को वैसा ही रहना होगा। सोनारिका ने अपनी बात समझाते हुए कहा कि अगर कोई पानी में जा रहा है तो वह बिकिनी ही पहनेगा, पानी में सूट पहनकर तो नहीं जा सकती।





गाना तू मिल जाए की शूटिंग के दौरान गर्भवती थी दीपिका

मुंबई (यशभारत)। आगामी फिल्म किंग का पहला गाना तू मिल जाए रिलीज कर दिया गया है। शाहरुख खान के जन्मदिन के अवसर पर जारी किये गए इस गाने में शाहरुख और दीपिका पादुकोण की रोमांटिक केमिस्ट्री दर्शकों का दिल जीत रही है। दोनों विदेशी लोकेशन पर एक-दूसरे की बाहों में बाहें डाले डांस करते नजर आ रहे हैं। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस गाने की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री दीपिका पादुकोण पाँच महीने की गर्भवती थीं। साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्मों पठान और जवान में शाहरुख और दीपिका की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था। अब तीन साल बाद यह सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। किंग फिल्म के पहले गाने तू मिल जाए में दीपिका और शाहरुख का रोमांटिक अंदाज इस फेस्टिव सीजन को और खास बना रहा है। दीपिका ने गाने में कई अलग-अलग लुक अपनाए हैं, और उनके हर अंदाज़ को सराहना मिल रही है। यह जानकर सभी हैरान हैं कि इस गाने की शूटिंग के दौरान दीपिका अपनी दूसरी बेटी देवी के साथ पाँच महीने की गर्भवती थीं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर दुनिया के सामने आने के कुछ समय बाद ही शाहरुख के साथ गाने की शूटिंग के लिए केपटाउन का रुख किया था। अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी उन्होंने पूरी लगन और व्यावसायिकता के साथ गाने की शूटिंग जारी रखी। उन्होंने अपने काम के प्रति समर्पण का एक बेहतरीन उदाहरण पेश किया.

रामायण की वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग का आंकड़ा 75 करोड़ के पार

मुंबई (यशभारत)। अपकमिंग फिल्म रामायण ने अपनी रिलीज से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाना शुरू कर दिया है। नितेश तिवारी निर्देशित इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की वर्ल्डवाइड एडवांस बुकिंग का आंकड़ा 75 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। भारत में भी फिल्म के टिकटों की धड़ाधड़ बिक्री हो रही है, और यह 5 नवंबर को बड़े पर्दे पर आने से पहले ही हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही है। रामायण की रिलीज डेट जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे इसकी एडवांस बुकिंग ने रफ्तार पकड़ ली है। भारत में टिकट बिक्री में भारी उछाल आया है, और विदेश में भी फिल्म लगातार रिकॉर्ड तोड़ रही है। दशहरे पर वर्ल्डवाइड रिलीज के लिए रामायण की एडवांस बुकिंग 15 दिन पहले ही शुरू कर दी गई थी। शुरुआती दस दिनों तक मुख्य रूप से हिंदी वर्जन के शो ही उपलब्ध थे, लेकिन अब पूरे देश में नए सिनेमाघरों में प्री-सेल्स तेजी से शुरू हो गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह तक फिल्म के लिए स्क्रीन्स की संख्या बढ़कर



3,500 हो गई है, जिसमें से पिछले दो दिनों में ही 1,000 स्क्रीन्स जोड़ी गई हैं। रिलीज से तीन दिन पहले तक रामायण ने भारत में एडवांस बुकिंग से 37 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन कर लिया है। इसमें से पहले दिन के लिए 22 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, जबकि बाकी रकम एक्सटेंडेड वीकेंड में बंटी हुई है। पूरे भारत में रामायण के अब तक करीब 9 लाख टिकट एडवांस में बिक चुके हैं। हिंदी बेल्ट में फिल्म की मांग सबसे ज्यादा है, जबकि कन्नड़ और तेलुगु वर्जन्स ने भी क्रमशः 4 करोड़ और 2 करोड़ से अधिक के टिकट बेचे हैं। विदेशों में भी रामायण को लेकर जबरदस्त माहौल है। उत्तरी अमेरिका में फिल्म की रिलीज से एक दिन पहले, 4 नवंबर को पेड प्रिव्यू रखे गए हैं। सोमवार सुबह तक फिल्म ने ओवरसीज मार्केट से एडवांस बुकिंग में 3.9 मिलियन डॉलर (लगभग 32 करोड़) की कमाई कर ली है, जिसमें अकेले अमेरिका के पेड प्रिव्यू से आया 1.5 मिलियन से अधिक का कलेक्शन शामिल है। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म दो पार्ट में लाई जा रही है। इसका पहला पार्ट 5 नवंबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगा।

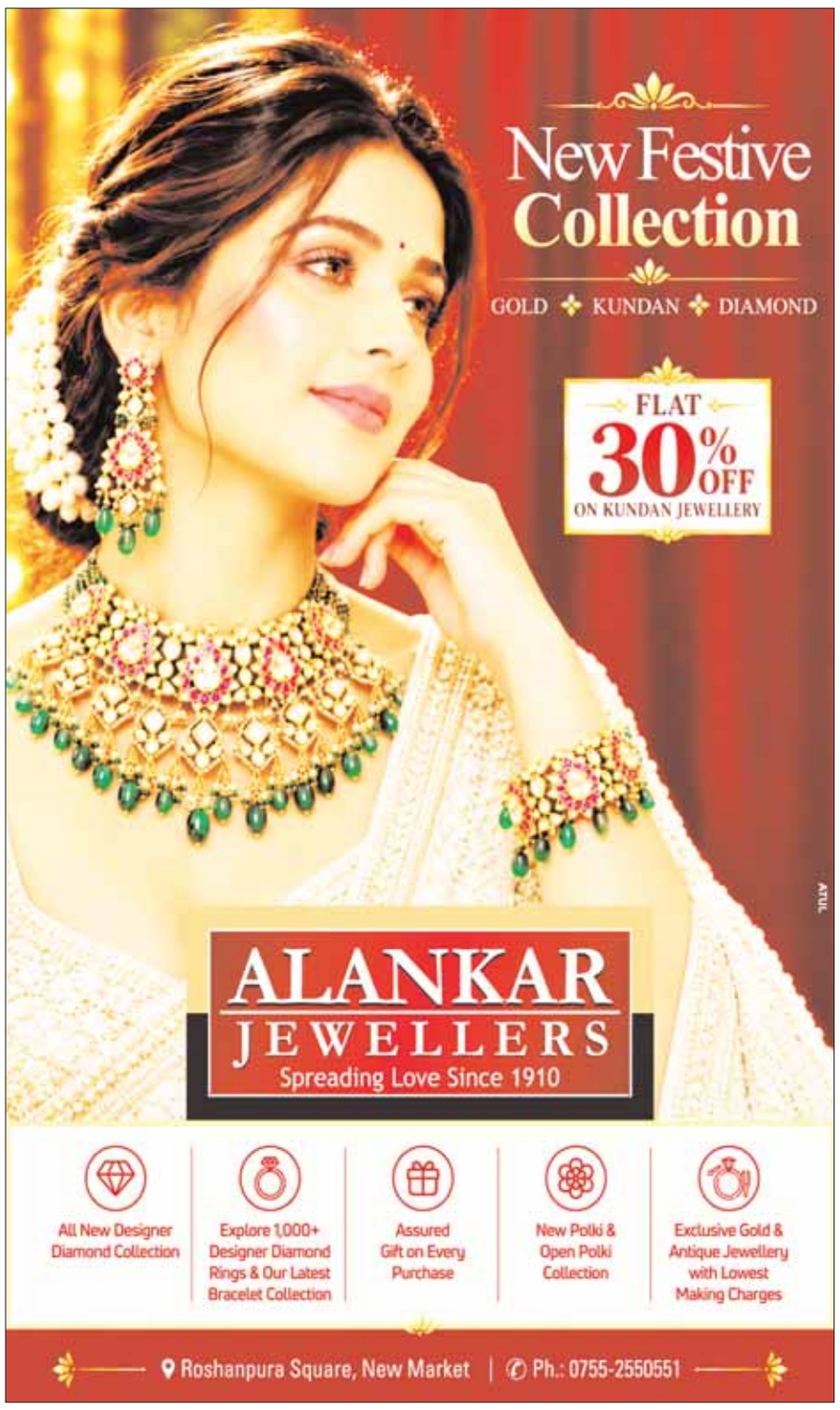
भोपाल मास्टर प्लान 2047 पर दावे-आपत्तियों की सुनवाई की तैयारी शुरू

भोपाल , यश भारत। भोपाल मास्टर प्लान 2047 का ड्राफ्ट जारी होने के बाद नगर एवं ग्राम निवेश विभाग को आम जनता से प्राप्त दावे आपत्तियों और सुझावों पर आगे की कार्रवाई को लेकर कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त आपत्तियों और सुझावों की सुनवाई की प्रक्रिया, तारीख और स्थान तय करने को लेकर विस्तार से विचार विमर्श किया गया।बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि मास्टर प्लान के प्रारूप को लेकर नागरिकों ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों और विभिन्न हितधारकों द्वारा प्रस्तुत किए गए सुझावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण किया जाए। सुनवाई की व्यवस्था ऐसी हो, जिससे प्रभावित लोगों को अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर मिल सके। इसके साथ ही सुनवाई के बाद अपनाई जाने वाली प्रक्रिया और आगामी कार्रवाई पर भी चर्चा की गई।

सफाई कर्मचारियों के समर्थन में उतरे कांग्रेस नेता, कोटरा बाजार में चलाया स्वच्छता अभियान

भोपाल,यश भारत। नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल के चलते शहर में जगह जगह कचरे के ढेर लगने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच सफाई कर्मचारियों की मांगों के समर्थन और शहर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से गुरुवार को कोटरा सुल्तानाबाद मुख्य बाजार में सफाई अभियान चलाया गया। पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप मोनू सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों कोटरा व्यापारी संघ के अध्यक्ष कमलेश खातरकर स्थानीय व्यापारियों नागरिकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने मिलकर बाजार क्षेत्र में सफाई की और स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया।











स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)